आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 136 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, बुधवार, 21 मई, 2025

मां अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में इंदौर के राजवाड़ा में ऐतिहासिक विशेष कैबिनेट बैठक

MY के लिए 773 करोड़ मंजूर

संवाददाता ● इंदौर

मां अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में इंदौर के राजवाड़ा में ऐतिहासिक विशेष कैबिनेट बैठक हुई। इसमें महिला सशक्तिकरण, किसानों के कल्याण, शहरी विकास, स्वच्छता मिशन से जुड़े कई निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने 3 हजार 867 करोड़ की योजना और निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी। खास बात ये है कि केबिनेट बैठक से इंदौर के विकास को नई गति मिलेगी। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल महाराजा यशवंतराव होलकर अस्पताल (एमवायएच) के पुनरुद्धार के लिए 773 करोड़ मंजूर हुए हैं।

बैठक के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने लिए गए निर्णयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंदौर में चाचा नेहरु अस्पताल के सामने स्टाफ क्वार्टर के पीछे दूसरी बिल्डिंग खड़ी की जाएगी। तीन साल में 8 एकड़ जमीन में बनने वाला यह नया अस्पताल सात मंजिला होगा। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल के विकास के बाद मालवा-निमाड़ ही नहीं, सेंट्रल इंडिया के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली-मुंबई भागने की नौबत नहीं आएगी। अभी एमवाय अस्पताल 1152 बेड वाला है जबकि ओपीडी 4 हजार से ज्यादा मरीजों की है। यहां ओपीडी और आईपीडी दोनों में क्षमता से दोगुना मरीज आ रहे हैं। नया अस्पताल चाचा नेहरू अस्पताल के सामने बने स्टाफ क्वार्टर के पीछे बनेगा। इसे बनने में कम से कम तीन साल लगेंगे। 500 बेड की क्षमता का नर्सिंग हॉस्टल, पार्किंग, 40 बेड का ट्रॉमा सेंटर बनेगा। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पहले ही भवन विकास निगम ने तैयार कर ली है। यहां भी वही विभाग रहेंगे, जो एमवायएच में संचालित है।

घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले को देंगे 25 हजार

बैठक में सीएम और कुछ मंत्री धोती-कुर्ता पहने भगवा दुपट्टा डालकर पहुंचे थे। वहीं कर्नल सोफिया पर बयान को लेकर विवादों में घिरे मंत्री विजय शाह बैठक में नहीं पहुंचे। बैठक के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि प्रदेश में सड़क एक्सीडेंट में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को अब 25 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। ये काम राहवीर योजना के तहत होगा। इसमें संबंधित व्यक्ति को तत्काल एम्बुलेंस को कॉल करके उसे अस्पताल पहुंचाने में मदद करनी होगी। सरकार ने सभी जिलों के कलेक्टरों को इस योजना पर अमल के निर्देश दिए हैं।

औद्योगिक क्षेत्रों में बनेंगे वूमन हॉस्टल

सभी औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं के लिए 249.66 करोड़ की वर्किंग वूमन हॉस्टल निर्माण की मंजूरी दी गई है, ताकि महिला कर्मचारियों को सुरक्षित और सुलभ आवास की सुविधा मिल सके। औद्योगिक पार्क विक्रम उद्योगपुरी उज्जैन के लिए 66.36 करोड़, औद्योगिक पार्क पीथमपुर सेक्टर-1 और सेक्टर-2 धार के लिए 76.46 करोड़, औद्योगिक पार्क मालनपुर-घिरौंगी, भिंड के लिए 29.41 करोड़, औद्योगिक पार्क मंडीदीप, रायसेन के लिए 77.43 करोड़ की स्वीकृति दी गई।

मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण बनेगा

बैठक में इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण बनाने का फैसला लिया गया। इसमें कुछ हिस्सा देवास और धार का भी मिलाया जाएगा। इसके नियमों को मंजूरी दी गई। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि नगर निगमों के काम प्रभावित न हों। सीएम इसके चेयरमैन होंगे।

शहरी स्वच्छता मिशन होगा शुरू

मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता मिशन को फिर से प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यममंत्री शहरी स्वच्छता मिशन योजना 2025-26 से 2028-29 तक लागू होगी। इसके लिए 277 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है ताकि नगर निगमों के पास आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो। इसमें राज्य सरकार 167.74 करोड़ और निकाय का अंशदान 59.31 करोड़ होगा।

देवी अहिल्याबाई प्रशिक्षण कार्यक्रम

कैबिनेट ने प्रदेश में कौशल विकास के लिए "लोकमाता देवी अहिल्याबाई प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने को स्वीकृति दी है। इसमें प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए नया प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। इसमें महिला और पुरुष कोई भी शामिल हो सकेगा।

ओंकारेश्वर में "अद्वैत लोक" निर्माण

ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर की ज्ञान स्थली पर 'अद्वैत लोक संग्रहालय' के निर्माण को लेकर 2195 करोड़ की परियोजना को मंजूरी दी गई। यह संग्रहालय भारत की सांस्कृतिक विरासत, अद्वैत वेदांत दर्शन और आचार्य शंकर के जीवन-दर्शन को समर्पित होगा।

देवी अहिल्या के जीवन पर नाट्य मंचन

सरकार ने तय किया है कि जो शहर देवी अहिल्याबाई के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन की मांग करेगा, वहां इसकी व्यवस्था की जाएगी। नागपुर के कलाकार उज्जैन की कालिदास संस्कृति अकादमी, महिदपुर, ग्वालियर व बैतूल में नाट्य प्रस्तुति देंगे। वहीं इंदौर में एकल नाटक व कविता पाठ होंगे। राजवाड़ा में भी देवी अहिल्याबाई को समर्पित महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रम होगा।

पीएम मोदी 31 को भोपाल आएंगे

पीएम नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल में दो लाख महिलाओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। पीएम इंदौर मेट्रो, दतिया और सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे।

विदेश सचिव मिस्री ने सात में से तीन बहुदलीय सांसद प्रतिनिधिमंडलों को विदेश दौरे से पहले ब्रीफिंग दी

विदेश में सांसद बताएंगे पाक की नापाक साजिशें

एजेंसी ● नई दिल्ली

पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले और उसके बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी स्थिति साफ करने की तैयारी में है। मंगलवार को विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सात में से तीन बहुदलीय सांसद प्रतिनिधिमंडलों को विदेश दौरे से पहले जरूरी ब्रीफिंग दी। जिन प्रतिनिधिमंडलों को ब्रीफिंग दी गई, उनमें जेडीयू नेता संजय झा, शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे और डीएमके की कनिमोझी के नेतृत्व वाले दल शामिल थे। इन प्रतिनिधिमंडलों को विदेशों में जाकर सांसदों, थिंक टैंकों, भारतीय समुदाय और सरकारी मंत्रियों से मुलाकात करनी है।

दिलचस्प बात यह रही कि तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी भी इस ब्रीफिंग में शामिल हुए। टीएमसी ने पहले सरकार के फैसले को एकतरफा बताते हुए नाराजगी जताई थी। विरोध के बाद अब अभिषेक बनर्जी को भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल कर लिया गया है। वह संजय झा के नेतृत्व में जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, इंडोनेशिया और सिंगापुर की यात्रा पर जाएंगे। ब्रीफिंग में विदेश सचिव ने बताया कि कैसे पाकिस्तान पिछले 40 सालों से भारत में आतंक फैला रहा है। मुंबई हमलों से लेकर हालिया पहलगाम अटैक तक, हर वारदात में पाकिस्तानी हाथ सामने आया है, चाहे वो सीधे तौर पर हो या परोक्ष रूप से। भारत ने अतीत में डीएनए, कॉल डिटेल्स जैसी पुख्ता जानकारी भी पाकिस्तान को सौंपी लेकिन वहां की सरकार ने कभी कोई कार्रवाई नहीं की। विदेश सचिव ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि दुनिया पाकिस्तान की हकीकत को पहचाने, जहां सरकार और सेना की मिलीभगत से आतंक को संरक्षण दिया जा रहा है। सांसदों को यह भी बताया गया कि उन्हें विदेशों में भारत के दृष्टिकोण को मजबूती से रखना है, खासकर मुस्लिम देशों में। एक प्रतिनिधिमंडल संयुक्त अरब अमीरात में 'टॉलरेंस मिनिस्टर' से भी मिलने वाला है। यह दौरा ऐसे वक्त में हो रहा है जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें भारत-पाक तनाव पर टिकी हैं, और भारत की कोशिश है कि पाकिस्तान के झूठे प्रचार का जोरदार जवाब हर मंच पर दिया जाए।

भारत में कोरोना ने फिर दी दस्तक

नई दिल्ली । एशिया के कुछ हिस्सों खासकर सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में कोविड के मामलों में अचानक बढ़ोतरी के बीच भारत में भी कोरोना की आहट महसूस होने लगी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 19 मई तक देश में कुल 257 एक्टिव कोविड केस सामने आए हैं। केरल और महाराष्ट्र में सबसे अधिक केस दर्ज किए गए हैं। केरल में 69, महाराष्ट्र में 44, तमिलनाडु में 34 केस दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा कर्नाटक में 8, गुजरात में 6 और दिल्ली 3 मामले सामने आए हैं। इसमें राहत की बात ये है कि सभी मरीजों में लक्षण बेहद मामूली हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत भी नहीं पड़ी।

ऑपरेशन सिंदूर' पर शीर्ष सेना वायु रक्षा अधिकारी का दावा

पूरा पाकिस्तान भारत की जद में : लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय सेना के वायु रक्षा महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी'कुन्हा ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की सैन्य क्षमताओं पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत के पास पाकिस्तान में अंदर घुसकर सटीकता से हमला करने की ताकत है, चाहे वो रावलपिंडी हो, खैबर पख्तूनख्वा हो या कोई और इलाका। उन्होंने कहा कि पूरा पाकिस्तान हमारी रेंज के भीतर है। अगर पाकिस्तानी सेना अपना मुख्यालय रावलपिंडी से केपीके भी शिफ्ट कर दे तो भी उन्हें छिपने के लिए एक गहरा गड्ढा खोजना होगा।

लेफ्टिनेंट जनरल डी'कुन्हा ने बताया कि भारत की सैन्य सोच में बदलाव आया है। अब हम सिर्फ सहन* नहीं करते, बल्कि सटीक समय पर सटीक जवाब देने की नीति अपनाई जा रही है, जिसे उन्होंने शिशुपाल सिद्धांत कहकर संबोधित किया। शिशुपाल सिद्धांत के तहत लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि जब तक सीमा पार नहीं होती, हम सहते हैं, लेकिन जैसे ही रेखा पार होती है, हम निर्णयात्मक कार्यवाही करते हैं।

इस रणनीति से भारत ने दुनिया को यह संकेत दिया है कि अब आतंकवाद के खिलाफ रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक रुख अपनाया गया है।

आत्मनिर्भर सैन्य तकनीक

ऑपरेशन सिंदूर में भारत की स्वदेशी तकनीक और सैन्य शाखाओं के बीच तालमेल देखने को मिला। भारतीय सेना ने ड्रोन डिटेक्शन और इंटरसेप्शन सिस्टम ने दुश्मन के UAVs को बेअसर किया। लॉन्ग-रेंज सटीक मिसाइलों ने आतंकी ठिकानों को बिना नागरिक क्षति के नष्ट किया। लश्कर और जैश के मुख्यालय, घुसपैठ चौकियों, और कंट्रोल रुम को नष्ट किया। ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकियों को ढेर किया, जिनमें कुछ भारत में वांछित आतंकी भी शामिल थे। यूनिफाइड कमान संरचना के तहत वायुसेना, थलसेना और खुफिया एजेंसियों ने समन्वित ढंग से काम किया। डी'कुन्हा ने कहा कि हमने केवल सीमाओं की रक्षा नहीं की, बल्कि छावनियों, नागरिक क्षेत्रों और अपने जवानों के परिवारों को भी सुरक्षित रखा। यही हमारी असली जीत है।

महाराष्ट्र कैबिनेट में छगन भुजबल की वापसी!

एजेंसी ● मुंबई

ओबीसी नेता और एनसीपी के पूर्व मंत्री छगन भुजबल का फिर एक बार महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में सफल कमबैक हुआ है। उन्होंने मंगलवार सुबह राजभवन में पद और गोपनीयता की शपथ ली। विधानसभा चुनावों के बाद मंत्रिमंडल से दूर रखे जाने पर भुजबल पार्टी के नेता अजित पवार से नाराज थे। जब भी मौका मिला उन्होंने कई बार अपनी नाराजगी लोगों के सामने रखी। जब भुजबल से उनके और अजित पवार के बीच चल रहे विवाद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हमारे कितने भी मतभेद रहे हों लेकिन मैंने राष्ट्रवादी कांग्रेस और अजित दादा गुट को कभी भी नहीं छोड़ा। दरअसल,बीड़ में हुई संतोष देशमुख की हत्या का आरोप धनंजय मुंडे के करीबी पर लगा था

और मुंडे को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग उठ रही थी। लोगों के दबाव के बाद आखिर 4 मार्च को धनंजय मुंडे को मंत्रिमंडल से विदा कर दिया गया। तब से महाराष्ट्र के मंत्रिमंडल में एक जगह खाली थी, जिसे भरना जरूरी था। धनंजय मुंडे को वही अन्न और नागरी पुरवठा विभाग दिया गया था, जो छगन भुजबल के पास था। अब अटकलें यही हैं कि ये विभाग फिर भुजबल के पास वापस आ जाएगा। मंत्रिमंडल में भुजबल की वापसी बीजेपी की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। लेकिन आने वाले स्थानिक स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव में भुजबल की एंट्री का फायदा हो सकता है। धनंजय मुंडे को मंत्रिमंडल से दूर करने से ओबीसी समुदाय नाराज था। अब उसी जगह भुजबल जैसे सीनियर नेता को जगह मिलने से वह नाराजगी कुछ हद तक कम हो जाएगी। अगस्त के महीने में जब मनोज जरांगे फिर से अपना आंदोलन तेज करेंगे तो भुजबल उनका सामना करने के लिए तैयार रहेंगे।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हुई सुनवाई

'संविधान के उल्लंघन का ठोस सबूत लाने पर ही अदालत करेगी हस्तक्षेप'

एजेंसी ● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने पक्ष और विपक्ष की दलीलें सुनीं। बेंच में दूसरे जज जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह थे। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने संसद से पारित कानूनों की संवैधानिकता को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से कहा, 'संसद द्वारा पारित कानूनों में संवैधानिकता की धारणा होती है और कोई कानून संवैधानिक नहीं है इसका जब तक कोई ठोस मामला सामने नहीं आता, अदालतें इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। मंगलवार को 3 घंटे तक याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनने के बाद बेंच ने मामला बुधवार, 21 मई तक के लिए स्थगित कर दिया। बेंच अब केंद्र सरकार का पक्ष सुनेगी।

केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया कि वह अंतरिम आदेश पारित करने के लिए वक्फ (संशोधन) अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई को तीन मुद्दों तक सीमित रखे, जिनमें 'कोर्ट, यूजर और डीड' द्वारा घोषित वक्फ संपत्तियों को डि-नोटिफाई करने का बोर्डों का अधिकारभी शामिल है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ के समक्ष यह अनुरोध किया। उन्होंने कहा, 'अदालत ने तीन मुद्दे चिन्हित किए थे। हालांकि, याचिकाकर्ता चाहते हैं कि इन तीन मुद्दों के इतर भी कई अन्य मुद्दों पर सुनवाई हो। मैंने इन तीन मुद्दों के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल किया है। मेरा अनुरोध है कि इसे केवल तीन मुद्दों तक ही सीमित रखा जाए।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने केंद्र की दलील का विरोध करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण कानून पर टुकड़ों में सुनवाई नहीं हो सकती। सिब्बल ने तर्क दिया कि संशोधित कानून संविधान के अनुच्छेद 25 का उल्लंघन करता है। हम तो सभी मुद्दों पर दलील रखेंगे। यह सम्पूर्ण वक्फ सम्पत्ति पर कब्जा करने का मामला है। इस मामले में अंतरिम आदेश जारी करने पर सुनवाई होनी चाहिए। ये कानून असंवैधानिक और वक्फ संपत्ति को कंट्रोल करने वाला और छीनने वाला है।

इन तीन मुद्दों पर सुनवाई चाहता है केंद्र

तीन मुद्दों में से एक मुद्दा है, वक्फ बाय कोर्ट, वक्फ बाय यूजर या वक्फ बाय डीड द्वारा घोषित संपत्तियों को डि-नोटिफाई करने की शक्ति। दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित है, जहां याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि पदेन सदस्यों को छोड़कर केवल मुस्लिम सदस्य ही इन संस्थाओं में होने चाहिए। तीसरा मुद्दा उस प्रावधान से संबंधित है, जिसके अनुसार जब कलेक्टर यह पता लगाने के लिए जांच करेगा कि वक्फ घोषित की गई कोई भूमि सरकारी है या नहीं, तो जांच रिपोर्ट आने तक संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा।

कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ को दान दी गईं निजी संपत्तियों को केवल इसलिए छीना जा रहा है क्योंकि इनके विवाद होने का अंदेशा है या इनके मालिकाना हक को लेकर विवाद है। इस कानून को वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने के लिए डिजाइन किया गया है। यदि कोई मस्जिद या कब्रिस्तान है तो स्टेट उसकी फंडिंग नहीं कर सकता, यह सब निजी संपत्ति के माध्यम से ही होना चाहिए। अगर आप मस्जिद में जाते हैं तो वहां मंदिरों की तरह चढ़ावा नहीं होता, उनके पास 1000 करोड़, 2000 करोड़ नहीं होते।

सीजेआई बीआर गवई ने सिब्बल की दलील पर कहा- मैं दरगाह भी गया, चर्च भी गया... हर किसी के पास यह (चढ़ावे का पैसा) है। सिब्बल ने कहा- दरगाह दूसरी बात है, मैं मस्जिदों की बात कर रहा हूं। 2025 का कानून पुराने कानून से बिल्कुल अलग है।

कन्फ्यूज हुए कपिल सिब्बल तो सीजेआई ने ली चुटकी

कपिल सिब्बल ने कहा- पुराने अधिनियमों में 'Shall' शब्द का इस्तेमाल किया गया था। सीजेआई ने कहा- केवल 'Shall' शब्द के प्रयोग से पंजीकरण कराना अनिवार्य नहीं हो सकता, ऐसा नहीं करने पर परिणाम क्या होगा इसका कोई प्रावधान था? सिब्बल ने कहा- पुराने एक्ट में सिर्फ इतना कहा गया है कि जो मुत्तवल्ली ऐसा नहीं करता, वह अपना अधिकार खो देता है। बस इतना ही है। अदालत ने पूछा- क्या वक्फ बाय यूजर में भी पंजीकरण अनिवार्य था। सिब्बल ने हां में जवाब दिया। अदालत ने कहा- तो आप कह रहे 1954 से पहले उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ का पंजीकरण आवश्यक नहीं था और 1954 के बाद यह आवश्यक हो गया।

नलों के माध्यम से नियमित जलप्रदाय भी नहीं कर पा रहे नगर निगम अधिकारी

पांच वर्ष पहले लगे नलों में मीटर, आज तक नहीं पहुंचा पानी

संवाददाता ● इंदौर

करीब 5 वर्ष पहले शहर के कुछ इलाकों में नर्मदा की नल कनेक्शन में मीटर लगाए गए। तब लोगों ने सोचा था अब जल्द ही 24 घंटे पानी मिल सकेगा। हालांकि 5 वर्ष बीतने के बाद भी जिन इलाकों में मीटर लगाए गए वहां आज तक 24 घंटे पानी नहीं पहुंचा है। कई इलाके और कालोनियां तो ऐसी है जहां 24 घंटे तो दूर नलों से नियमित जलप्रदाय भी नहीं हो रहा है।ऐसा प्रतीत हो रहा है कि नगर निगम अधिकारी सिर्फ नया प्रोजेक्ट लॉन्च करने की जल्दी दिखाते हैं और कमीशन मिलते ही कार्य योजना को ठंडा बस्ते में डाल दिया जाता है।

00000

जानकारी अनुसार शहर में नल कनेक्शन में मीटर लगाने की शुरुआत राजेंद्र नगर क्षेत्र से की गई। राजेंद्र नगर, प्रगति नगर, स्कीम नंबर 97 वीर सावरकर नगर, स्कीम 71, बिजलपुर अब रोड स्थित कई कालोनियों और मोहल्लों की कई योजनाओं के अलावा भी कई इलाके हैं जहां पर पानी के मीटर लगा रहे हैं या लग चुके हैं। रहवासियों ने बताया कि यहां 24 घंटे तो दूर नियमित पानी भी कब प्रदाय होगा फिलहाल ऐसा कुछ नहीं कहा जा सकता। शहर में कई ऐसे इलाके हैं जहां पर पानी के मीटर लगा चुके हैं, लेकिन पानी और बिल आज तक नहीं पहुंचे हैं। शहर में गर्मी की शुरुआत के साथ ही जलसंकट की शुरुआत भी हो गई है। पहले से ही ट्रैक्टर के माध्यम से लोगों की प्यास बुझाने की कोशिश निगम की जारी है।

वहीं दूसरी और परेशानी यह है कि शहर के कुछ इलाकों में लगभग 5 वर्ष पहले पानी के मीटर लगा चुके हैं लेकिन उनका बिल आज तक जनरेट नहीं हो पाया है। ऐसे इलाकों में शामिल राजेंद्र नगर, प्रगति नगर, स्कीम नंबर 97 वीर सावरकर नगर, स्कीम 71, बिजलपुर अब रोड स्थित कई कालोनियों और मोहल्लों की कई योजनाओं के अलावा भी कई इलाके हैं जहां पर पानी के मीटर लगा रहे हैं या लग चुके हैं। नर्मदा प्रोजेक्ट के अंतर्गत रामकी कंपनी द्वारा इस तरह का काम किया जा रहा है जिन्होंने अपनी के मीटर लगाने के साथ-साथ काम किया जा रहा है। वही एलएनटी कंपनी का काम भी पूरा होने का नाम नहीं ले पा रहा है। कुछ ऐसे इलाके हैं जहां स्मार्ट मीटर तो लगाने का काम चल रहा है, लेकिन रोजाना नर्मदा का पानी कब मिलेगा, इसका जवाब किसी के पास भी नहीं है।

महापौर भी कह चुके 24 घंटे पानी के लिए करना होगा और इंतजार...

महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा भी पहले कहा गया था कि रोज पानी के लिए जनता को और इंतजार करना पड़ेगा। फिलहाल इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है लेकिन पानी कब मिलेगा ? इसकी कोई जानकारी नहीं है और प्राइवेट कंपनियों द्वारा भी इसके तैयारी की जा रही है। अभी शहर में रामकी कंपनी और एलएनटी कंपनी द्वारा कम लंबे समय से किया जा रहा है, क्योंकि नर्मदा जलप्रदाय की व्यवस्था के अंतर्गत 1000 से अधिक किलोमीटर लंबी लाइन बिछाने का काम आज तक पूरा नहीं हो पा रहा है। एक लंबे समय से यह काम चल रहा है, लेकिन कब पूरा होगा कुछ नहीं कहा जा सकता है। शहर के अलग-अलग इलाकों में पानी के मीटर लगाने की बात कही जा रही है।

कुछ स्थिति स्पष्ट नहीं कब पहुंचेगी पानी

अमृत 2 योजना के अंतर्गत पानी के मीटर तो लग गए हैं, लेकिन पानी और बिल कब पहुंचाएंगे कुछ ऐसे भी इलाके हैं जहां पर पानी पहुंच रहा है परंतु कुछ अभी की स्थिति में नहीं कहा जा सकता है। नर्मदा प्रोजेक्ट अधिकारी संजीव श्रीवास्तव का कहना है कि हम जल्द ही इस मामले में चर्चा करेंगे अभी कुछ तय नहीं हुआ है। हमने संबंधित कंपनी को भी कहा है। पानी के मीटर लग जाए तो किस तरह से बिल जेनरेट होंगे। यह नगर निगम और नर्मदा प्रोजेक्ट मिलकर तय करेगी फिलहाल कंपनी द्वारा काम करने के निर्देश दिए गए हैं और काम चल भी रहे हैं।

शॉट न्यूज

कार चालक ने दंपति को मारी टक्कर, पत्नी घायल

इंदौर। महू इलाके में तेज रफ्तार से जा रहे कार चालक ने स्कूटर सवार दंपति को टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पति को भी चोट आई। पुलिस के मुताबिक हादसा महू में किशनगंज रेलवे ब्रीज पर हुआ। घायलों के नाम योगिता यादव और इनके पति गजेंद्र यादव निवासी यादव मोहल्ला महू हैं। महिला को हाथ , सिर और कंधे में चोटें आई। पुलिस ने कार नंबर एमपी 09 सीजे 1462 के चालक पर केस दर्ज किया है। फरियादी गजेंद्र ने पुलिस को बताया कि आरोपी कार चालक ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मारी जिससे मैं और मेरी पत्नी योगिता रोड पर जा गिरे।

राहगीर से मोबाइल लूटने वाला पकड़ाया

इंदौर। खजराना पुलिस ने राहगीर से मोबाइल लूटने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की हैं।आरोपी अपने शौक पूरे करने के लिए मोबाइल झपटने की वारदात को अंजाम देता था। खजराना टीआई मनोज सेंधव ने बताया कि फरियादी कालू श्रीवास्तव निवासी धीरज नगर ने गत 17 मई की रात रोबट चौराहा के समीप से बाइक सवार बदमाश द्वारा मोबाइल लूटने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इस मामले की विवेचना के दौरान सैकड़ो सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ ही मुखबिर की सूचना के आधार पर मोबाइल लुटेरे की पहचान करते हुए उसे हिरासत में लिया गया।पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम कृष्णा मालवीय पिता स्व. रमेश मालवीय मूलनिवासी ग्राम रावनपुरा जिला देवास का होना बताया।आरोपी वर्तमान में खजराना इलाके के धीरज में रहता हैं।आरोपी से लूटा गया मोबाइल भी बरामद कर लिया गया हैं।पूछताछ के दौरान उसके द्वारा बताया कि वह अपने शौक पूरे करने के लिए मोबाईल छीनने की घटना को अंजाम देता था।

प्लाट का सौदा कर 50 लाख की धोखाधड़ी

इंदौर। गांधीनगर इलाके में कारोबारी से प्लाट का सौदा कर 50 लख रुपए हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी मयंक पिता अशोक जैन 35 साल निवासी वर्धमान नगर बियाबानी की रिपोर्ट पर शैलेंद्र पिता मोहनलाल पोरवाल निवासी कालानी नगर के खिलाफ पुलिस ने धारा 318 316 सहित अन्य गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी मयंक जैन ने पुलिस को बताया कि उसने 3 अक्टूबर 2022 को गांधीनगर प्रेस्टीज के भूखंड क्रमांक 84 में 3400 वर्ग फीट के प्लाट का सौदा एक करोड़ 50 लख रुपए में शैलेंद्र पोरवाल से किया था। एग्रीमेंट के आधार पर शैलेंद्र को 50 लख रुपए नगद दिए थे। लेकिन शैलेंद्र ने प्लाट की रजिस्ट्री नहीं की और ना ही प्लाट दिया। इस तरह आरोपी शैलेंद्र ने उसके साथ धोखाधड़ी की।

स्कोप डिफेंस एकेडमी द्वारा एनडीए एस्पायरेंट्स के लिए आयोजित

रेजिडेंशियल समर कैंप का हुआ भव्य समापन

संवाददाता ● भोपाल

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के अंतर्गत स्कोप डिफेंस एकेडमी द्वारा एनडीए एस्पायरेंट्स के लिए 7 दिवसीय रेजिडेंशियल समर कैंप का भव्य समापन समारोह रविवार को आयोजित किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों के लिए कैंप फायर, आर्मी बैंड परफॉर्मेंस एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ जिसमें 30 प्रतिभागी छात्र अपने माता-पिता एवं परिवार के साथ शामिल हुए और सफलता पूर्वक समर कैंप पूरा करने के लिए सर्टिफिकेट प्राप्त किए।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलगुरू डॉ. विजय सिंह, कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा, स्कोप डिफेंस एकेडमी के डायरेक्टर मेजर जनरल (रिटा.) श्याम श्रीवास्तव एवं फैकल्टी ऑफ साइंस के डीन डॉ. सत्येंद्र खरे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अपने वक्तव्य में कुलगुरू डॉ. विजय सिंह ने छात्रों को समर कैंप को सफलता पूर्वक पूरा करने के लिए बधाई दी और आगे एनडीए की तैयारी के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा ने अपने वक्तव्य में स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी की कौशल विकास की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि हम आगे भी इस तरह के प्रयास करते रहेंगे जिससे छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा सके।

कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक रिटायर्ड मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव ने बताया कि इस समर कैंप के तहत एनडीए एस्पायरेंट्स को पर्सनेलिटी डेवलपमेंट, फिजिकल फिटनेस, एसएसबी समेत एनडीए की संपूर्ण तैयारी कराई गई है। इसमें छात्रों को सुबह से लेकर शाम तक विभिन्न कठिन एक्सरसाइज एवं टास्क कराए गए जिससे वे डिफेंस के लिए मानसिक एवं शारीरिक रूप से तैयार हो सकें।

परियोजनाओं 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत राष्ट्र को समर्पित करेंगे

प्रधानमंत्री 22 मई को राजस्थान का दौरा करेंगे

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 22 मई को राजस्थान के दौरे पर आएंगे। वे बीकानेर जाएंगे और सुबह करीब 11 बजे देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री सुबह लगभग 11:30 बजे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। देशनोक में प्रधानमंत्री एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री देश में रेल अवसंरचना को निरंतर बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,300 से अधिक स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिन्हें क्षेत्रीय वास्तुकला को प्रतिबिंबित करने और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। करणी माता मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सेवा करने वाला देशनोक रेलवे स्टेशन मंदिर वास्तुकला, मेहराब और स्तंभ विषयवस्तु से प्रेरित है। तेलंगाना में बेगमपेट रेलवे स्टेशन काकतीय साम्राज्य की वास्तुकला से प्रेरित है। बिहार में थावे स्टेशन में 52 शक्तिपीठों में से एक मां थावेवाली का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न भित्ति चित्र और कलाकृतियां शामिल हैं और मधुबनी पेंटिंग को भी दर्शाया गया है। गुजरात का डाकोर स्टेशन रणछोड़राय जी महाराज से प्रेरित है। देश भर में पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों में सांस्कृतिक विरासत के साथ आधुनिक बुनियादी ढांचे, दिव्यांगजनों के लिए यात्री-केंद्रित सुविधाओं और यात्रा के अनुभव को बेहतर करने के लिए टिकाऊ प्रथाओं को एकीकृत किया गया है।

उज्ज्वल ईएमआई कार्ड से होम क्रेडिट इंडिया ने बनाया खरीदारी को और अधिक स्मार्ट

संवाददाता ● गुरुग्राम

अग्रणी कनज्यूमर फाइनैंस कंपनी, होम क्रेडिट इंडिया, उपभोक्तों के लिए फाइनैंसिंग को सरल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर आगे बढ़ते हुए अपने उज्ज्वल ईएमआई कार्ड के जरिए भारत में क्रेडिट को अधिक सुलभ और समावेशी बना रही है। यह प्री-अप्रूव्ड वर्चुअल ईएमआई कार्ड 75,000 तक की तत्काल क्रेडिट लिमिट प्रदान करता है, जिससे खरीदारी आसान, स्मार्ट और पेपरलेस हो जाती है। पहली बार ऋणर लेने वालों से लेकर वेतनभोगी प्रोफेशनल्स और स्व-रोज़गार वाले व्यक्तियों तक, ग्राहकों की एक बड़ी तादाद को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया, उज्ज्वल ईएमआई कार्ड कनज्यूमर ड्यूरेबल वस्तुओं की खरीदारी को अधिक किफायती, सुविधाजनक और लचीला बनाता है। ग्राहक इस वर्चुअल कार्ड का उपयोग ऑनलाइन या इन-स्टोर स्मार्टफोन, घरेलू उपकरण, स्वास्थ्य सेवा योजनाओं को खरीदने और लागत को तीन से बारह महीनों तक की आसान ईएमआई में बदलने के लिए कर सकते हैं।

उज्ज्वल ईएमआई कार्ड की प्रमुख विशेषताएं हैं

आसान अहर्ता : उज्ज्वल ईएमआई कार्ड 18 से 60 वर्ष की आयु के सभी भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध है, जिसमें वेतनभोगी, स्व-रोज़गार और सेवानिवृत्त व्यक्ति शामिल हैं। बुनियादी आवश्यकताओं में वैध पहचान/पता प्रमाण, एक सक्रिय बैंक खाता और 25,000 से अधिक की मासिक घरेलू आय शामिल है। ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल है जिसमें न्यूनतम डाक्यूमेंटेशन की आवश्यकता होती है, जिससे यह निर्बाध हो जाती है। ग्राहकों को अपने वर्चुअल कार्ड को तुरंत सक्रिय करने के लिए पैन कार्ड और एक वैध पहचान प्रमाण (आधार कार्ड/पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस/वोटर आईडी) का उपयोग करके एक बार का केवाईसी पूरा करना होगा।

विशिष्ट ईएमआई ऑफर : ग्राहक विभिन्न प्रकार के कनज्यूमर ड्यूरेबल वस्तुओं और मोबाइलों पर जीरो डाउन पेमेंट और जीरो प्रतिशत ब्याज ईएमआई विकल्पों जैसे आकर्षक ऑफ़र के साथ ऑनलाइन और ऑफलाइन खरीदारी कर सकते हैं। उज्ज्वल ईएमआई कार्ड ग्राहकों को पूरे देश में होम क्रेडिट इंडिया के 53,000 से अधिक रिटेल पार्टनर्स के बड़े नेटवर्क तक पहुंच प्रदान करता है। होम क्रेडिट इंडिया ने वीवो, ओप्पो, शाओमी, सैमसंग, व्हर्लपूल, हायर, गोदरेज, ब्लू स्टार और वोल्टास जैसे प्रमुख ब्रांडों के साथ साझेदारी की है ताकि खरीदारी को अधिक सुलभ और किफायती बनाया जा सके।

एक से अधिक उत्पाद खरीदें: ग्राहक अपनी क्रेडिट लिमिट और ईएमआई पात्रता के आधार पर अपने उज्ज्वल ईएमआई कार्ड से कई खरीदारी कर सकते हैं और एक ही मासिक बिल के रूप में आसान ईएमआई के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं, जिससे रोजमर्रा की जरूरतों और बड़ी आकांक्षाओं में अधिक सुविधा मिलती है।

अधिक सुरक्षा और बेहतरी के लिए वैल्यू एडेड सर्विसेज: उज्ज्वल ईएमआई कार्ड केवल खरीदारी की सुविधा से कहीं अधिक है—यह सुरक्षा और बेहतरीकल्याण दोनों को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई वैल्यू एडेड सर्विसेज का एक समूह प्रदान करता है। जिससे व्यापक देखभाल अधिक किफायती और सुलभ हो जाती है।

मध्य क्षेत्र कंपनी के निर्देश : अनुमति उपरांत ही मुख्यालय छोड़ें कार्मिक

मॉनसून में उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के सभी प्रबंध करें

संवाददाता ● भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के 16 जिलों में विद्युत आपूर्ति और ऑपरेशन एंड मेन्टीनेन्स से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे नियंत्रणकर्ता अधिकारी से अनुमति लेकर ही कार्यस्थल / मुख्यालय छोड़ें। इस आशय के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि प्री-मॉनसून बारिश की बौछारें शुरू हो गईं हैं और अनेक बार आँधी और चक्रवाती तूफान और प्राकृतिक आपदा को देखते हुए कंपनी के मैदानी अफसरों से कहा गया है कि वे विद्युत आपूर्ति और रखरखाव तथा ऑपरेशन्स को देखते हुए सतर्कता और सजगता से काम करें तथा कोई कार्मिक अवकाश पर जाता है तो उसके स्थान पर वैकल्पिक कार्मिक की तैनाती की व्यवस्था पहले से ही करें। कंपनी ने कहा है कि गत वर्षों में पूरे जून माह की शिकायतों के आकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि इस दौरान कॉल सेन्टर में एफओसी (विद्युत अवरोध) से संबंधित उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत शिकायतों की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए काल सेन्टर के ऑपरेशनल एवं सुपरवाइजरी स्टॉफ को और अधिक सजगता से काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने सभी मैदानी कार्मिकों को उपभोक्ताओं को अनवरत् और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में विद्युत आपूर्ति बहाल रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि वे भी समय-समय पर कंपनी को फीडबेक प्रदान करते रहें।

मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा है कि आपदा के समय संपर्क करने हेतु लाइनमैनों के मोबाइल नंबर आदि की जानकारी अपडेट रखी जाए। मैदानी अधिकारियों से कहा गया है कि वे जिला प्रशासन / पुलिस प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से सपर्क और समन्वय बनाने का काम करें।

गर सभा और श्री महर्षि गौतम शैक्षणिक एवं पारमार्थिक न्यास ने किया संस्कार शाला का उद्घाटन

संक्रमण के दौर में समाज में संस्कारों का सृजन अत्यंत आवश्यक : डॉ. पांडेय

संवाददाता ● इंदौर

संक्रमण के इस दौर में समाज में संस्कारों का सृजन बहुत आवश्यक है। राष्ट्र विरोधी ताकतों ने भारत को तोडऩे की पुरजोर कोशिश की पर भारत की सांस्कृतिक जड़ों ने इसे बचाये रखा। आज के दौर में समाज में जामवंतों की कमी है, जिन्होंने हनुमानजी को अपनी शक्तियों का भान करवाया, वैसे ही समाज के जामवंत, समाज में मौजूद व्यक्तियों को अपनी शक्तियों से परिचय करवाएं। परिवार में अपने बच्चों को राष्ट्र गौरव शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान, रानी लक्ष्मीबाई, माता अहिल्या के बारे में बात करें और उनके शौर्य की गाथाएं बताएं ताकि वह अपने स्वर्णिम इतिहास पर गर्व कर सकें। यह बात श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण नगर सभा इंदौर और श्री महर्षि गौतम शैक्षणिक एवं पारमार्थिक न्यास द्वारा प्रेस क्लब स्थित आनंद मोहन माथुर सभागृह आयोजित संस्कार शाला के शुभारंभ अवसर पर शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनायक पांडेय ने कही।

आयोजन

डॉ. पांडेय ने महर्षि गौतम के बारे में बताया कि उन्होंने शास्त्रों की कई गोपनीय जानकारियां भी ऋषियों को बताई थी, इसलिए वह विप्र कहलाए। आपने 16 संस्कारों संबधी जानकारी भी प्रदान की और कहा कि ब्राह्मणों के लिए यह क्यों आवश्यक है। इसमें महत्वपूर्ण भूमिका माताओं की है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी एवं पूर्व कलेक्टर कृष्णमोहन गौतम ने संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने उद्बोधन में एक युद्ध के प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि आपकी उम्र से कोई फर्क नहीं पड़ता। आपके संस्कारों और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए। आपने देश और समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन करने का आव्हान किया और संस्कार शाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर नगर सभा अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास ने स्वागत भाषण दिया। संस्कार शाला संबंधी जानकारी देते हुए पंडित सोमेश्वर जोशी ने बताया कि संस्कार शाला का ऑनलाइन सत्र 19 से 24 मई तक संध्या 7 से 9 बजे तक रहेगा। इसमें देश के 22 जिलों से प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। अभी तक इसके लिए लगभग 150 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं जिसमें विभिन्न विषयों पर समाज के विशिष्ट विद्वानों द्वारा प्रतिभागी बच्चों से चर्चा करने के साथ ही प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। मंचासीन अतिथि का परिचय पंडित जगदीश जोशी ने प्रदान किया।

स्वास्थ्य संबंधी साहित्य किया भेंट

संस्कार शाला की शुरुआत स्वस्तिवाचन, देवी-देवताओं के आह्वान एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। नगर सभा एवं शैक्षणिक न्यास के अध्यक्ष द्वारा अतिथियों का स्वागत कर स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। संस्कार शाला संयोजकों का स्वागत नगर सभा की ओर से प्रधानमंत्री कमलेश तिवारी एवं शैक्षणिक न्यास की ओर से मधुसूदन तिवारी ने किया। प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी एवं वरिष्ठ समाज सेवी सत्यनारायण शर्मा ने अतिथि डॉ. पांडेय और गौतम को स्वास्थ्य संबंधी साहित्य भेंट किया। कार्यक्रम में स्वस्तिवाचन पंडित सोमेश्वर जोशी एवं पंडित राज शास्त्री ने किया। कार्यक्रम का संचालन पंडित राघवेंद्र त्रिपाठी ने किया। आभार पंडित जगदीश जोशी ने माना। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

दुकानदार बोले- सरकार को अपने राजस्व की चिंता, व्यापार की नहीं

कैबिनेट बैठक से बंद रहे बाजार, लेकिन शराब दुकान चालू

संवाददाता ● इंदौर

राजबाड़ा में कैबिनेट बैठक के चलते आसपास के कई मार्गों को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया था। हालांकि महल के सामने शराब दुकान को छोड़कर सभी दुकानों और बाजारों को लगभग बंद करवा दिया गया था। सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद रही। आने जाने वाले लोगों को भी पुलिस सड़कों पर ही वैकल्पिक रास्ते बताती रही। सभी जरूरी जगहों पर बैरिकेडिंग और मार्किंग भी की गई थी।

राजबाड़ा के मुख्य बाजारों में खरीदार नहीं पहुंच पाए। कई दुकानदारों ने तो स्वेच्छा से ही दुकानें बंद रखीं। हालांकि प्रशासन ने दुकानें बंद रखने का नहीं कहा था। खास बात ये रही कि महल के सामने शराब दुकान खुली रहने से लोग पूरे समय पीने के इंतजाम में लगे रहे। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने शराब दुकान खुलने का जमकर विरोध किया। बाजार की अन्य दुकानें बंद करवा रहे पुलिसकर्मियों ने बताया कि शराब दुकान बंद करवाने के कोई आदेश नहीं मिले थे। इस पर दुकानदारों ने कहा कि सरकार को राजस्व की चिंता है, व्यापार की नहीं।

मंत्री-अधिकारियों ने भी की खरीदारी

कई मंत्री और बड़े अधिकारी भी राजबाड़ा के आसपास के बाजारों से खरीदारी करते रहे। इससे कई दुकानदार बेहद उत्साहित दिखे और मंत्रियों व अधिकारियों के स्वागत के लिए उन्होंने दुकानों में विशेष व्यवस्थाएं भी की थीं।

मंत्रियों ने खाई दाल-बाटी, कढ़ी चावल छाछ और झोलिया का भी उठाया लुत्फ

राजवाड़ा की कैबिनेट बैठक में शामिल होने आए मंत्रियों ने मालवी व्यंजनों का लुत्फ भी लिया। राजवाड़ा के दरबार हॉल के ऊपर भोजन कक्ष में दाल बाफले के अलावा कढ़ी-चावल भी परोसा गया। भिंडी और टेंसी की सब्जी के अलावा पनीर की सब्जी भी परोसी गई। हॉल में तख्त और कुर्सी लगी थी। लकड़ी की थाली और कटोरियों में मालवी व्यंजनों को परोसा गया। इसके अलावा कुल्हड़ में छाछ और केरी के झोलिए का इंतजाम भी था।

बैठक वाले दिन मंगलवार को गर्मी ज्यादा थी। इसलिए श्रीखंड और आइस्क्रीम भी ज्यादा पसंद की गई। मीठे में फ्रूट रबड़ी के अलावा मावा बाटी भी रखी गई थी। बैठक के दौरान पानी के साथ झोलिया परोसा जा रहा था। कहा जाता कि दोपहर में दाल बाटी खाई जाए तो नींद बहुत आती है। इस बैठक में भी मालवी व्यंजन ने अपना असर दिखाया और कई अफसर और मंत्री सुस्ताने की मुद्रा में नजर आ रहे थे। बैठक में स्थानीय विधायकों को नहीं जाने दिया गया। इस कारण वे राजवाड़ा परिसर में ही समय बिताते नजर आए।

धोती-कुर्ते में आए थे ज्यादातर मंत्री - कैबिनेट बैठक में ड्रेसकोड भी रखा गया था। ज्यादातर मंत्री धोती और कुर्ते में नजर आए। बैठक के बाद सभी मंत्री धोती के साथ ही राजवाड़ा पैलेस के बाहर निकले और अपने काफिले के साथ गंतव्यों के लिए रवाना हो गए।

मालवी पगड़ी में नजर आए सीएम

कैबिनेट मीटिंग के लिए पहुंचने वाले सीएम मोहन यादव और मंत्रियों का मालवी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। इसके पहले अहिल्या प्रतिमा पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने माल्यार्पण किया। फिर कैबिनेट बैठक के लिए हॉल में गए। बैठक में शामिल होने के लिए मंत्री विजय शाह नहीं पहुंचे। उन्हें बैठक का एजेंडा भी नहीं भेजा गया। लालबाग परिसर से राजवाड़ा तक मुख्यमंत्री और मंत्री एक बस में सवार होकर आए। सबसे आगे की सीट पर मुख्यमंत्री बैठे थे। फिर डिप्टी सीएम बैठे। दस मिनट में बस राजवाड़ा पहुंच गई।

चाट दुकानों पर सीएम ने खाए पानी-पतासे, दिया 500 का नोट

सराफा बाजार में सोमवार देर रात अनोखा नजारा देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री अपनी पूरी कैबिनेट के साथ यहाँ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भुट्टे का कीस और पानी पतासे जैसे स्थानीय व्यंजनों का आनंद लिया। खास बात यह रही कि मुख्यमंत्री ने दो पानी पतासे खाकर दुकानदार को 500 का नोट दिया। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "यह विश्राम का समय नहीं है, बल्कि स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने का समय है। हमारी संस्कृति और परंपरा को प्रोत्साहित करने के लिए पूरा मंत्रिमंडल शहर के इस ऐतिहासिक बाजार में पहुंचा है। सराफा बाजार ने एक बार फिर सिद्ध किया कि इंदौर न केवल स्वच्छता में नंबर एक है, बल्कि स्वाद और संस्कृति में भी सबसे आगे है।

कॉलेज में सीएम को देख जोश में आए स्टूडेंट्स

मुख्यमंत्री ने केबिनेट बैठक के पहले होलकर साइंस कॉलेज पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया। यह क्षण विद्यार्थियों के लिए शुभाशीष से कम नहीं था। प्रदेश के मुखिया को अपने सामने पाकर उनके चेहरे की खुशी अलग ही दिख रही थी। सीएम ने कॉलेज का औचक निरीक्षण कर हार्टिकल्चर लैब का अवलोकन और फिजिकल एजुकेशन विंग के विद्यार्थियों से भी चर्चा की।

खेल के प्रति किया प्रोत्साहित - विद्यार्थियों से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने व खेलकूद गतिविधियों में सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं, विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों में सुविधाओं का विस्तार कर रही है। हमारे होनहार खिलाड़ियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। आप सभी से मिलकर हमारी ऊर्जा भी दोगुनी हो जाती है। छात्रों ने कहा कि यह सरप्राइज बेहद खास रहा। उन्होंने सीएम के साथ खूब फोटो भी खिंचवाए।

कृषि विकास में अग्रणी राज्य - मुख्यमंत्री कृषि विकास और विस्तार की संभावनाओ से भी विद्यार्थियों को रु-ब-रु कराया। उन्होंने शासन की कृषि संबंधी मुख्य योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि हमारा प्रदेश कृषि विकास में अग्रणी राज्य की भूमिका अदा करता है। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से सवाल-जवाब भी किए। विद्यार्थियों ने भी बड़े उत्साह के साथ सवालों के जवाब दिए।

चिड़ियाघर को दिया तोहफा

मुख्यमंत्री कमला नेहरु प्राणी संग्रहालय को नर किंग कोबरा की सौगात दी और चिड़ियाघर का भ्रमण भी किया। उन्होंने कर्नाटक के पीलीकुला बायोलॉजिकल पार्क से लाए गए नर किंग कोबरा को स्नैक पार्क में छोड़ा। चूंकि इंदौर किंग कोबरा का प्राकृतिक आवास नहीं है, अतः चिड़ियाघर प्रबंधन द्वारा नर किंग कोबरा के लिए बनाए गए आवास की मुख्यमंत्री ने सराहना की। साथ ही किंग कोबरा की लंबाई और वजन देखकर प्रसन्नता जाहिर की। बता दें कि प्राणी संग्रहालय में मादा किंग कोबरा थी। अब नर किंग कोबरा के आने से प्राकृतिक रुप से ब्रीडिंग हो सकेगी, जो इको सिस्टम के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने प्राणी संग्रहालय में बर्ड पार्क का भ्रमण किया। उन्होंने पक्षियों को स्वयं अपने हाथ से दाना खिलाया। इसके अलावा उन्होंने शुतुरमुर्ग, पॉकेट मंकी और अन्य प्राणियों को भी निहारा।

लालबाग पैलेस का 47.59 करोड़ से होगा जीर्णोद्धार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को इंदौर के ऐतिहासिक स्थल लालबाग पैलेस पहुंचकर होलकर राजवंश के संस्थापक सूबेदार मल्हारराव होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने सिंहस्थ मद के तहत 47.59 करोड़ लागत से लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार व उद्यान पुनर्विकास कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने लालबाग पैलेस का भ्रमण भी किया, जहां उन्होंने महल की ऐतिहासिक संरचना और सौंदर्य का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के प्रयास कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए बैठक कक्ष, क्राउन हॉल, बैंकेट हॉल, दरबार हॉल, किंग्स ऑफिस, मंत्रणा कक्ष, पश्चिमी बैठक कक्ष, भारतीय भोजन कक्ष पुरुष एवं महिला, बॉल रूम आदि की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान आर्किटेक्ट पुनीत सोहल ने लालबाग पैलेस परियोजना का प्रस्तुतिकरण दिया। जीर्णोद्धार राज्य पर्यटन विकास निगम करेगा। इसकी समयसीमा 24 माह अर्थात मई 2027 निर्धारित है। इसमें बाउंड्रीवॉल, पाथवे, पार्किंग, सॉफ्टस्केपिंग एवं सिंचाई, जनसुविधा, टिकिट काउंटर, उद्यान कैफे, मुक्ताकाश मंच, मंडप,रानी अहिल्या बाई आत्मरक्षा केंद्र (बालिकाओं के लिए), वनस्पति रक्षाग्रह, बाहरी विद्युतीकरण, सजावटी प्रकाश खंभे, बगीचे के लिए पाइप संगीत प्रणाली, सीसीटीवी आदि का कार्य किया जाएगा।

सेल्फी पॉइंट और गार्डन भी बनेगा

लगभग 150 वर्ष पुरानी इस इमारत की विशिष्टताओं की चर्चा इसलिए भी अहम है क्योंकि अब इसका मुख्य द्वार «विरासत» के रुप में विकसित किया जा रहा है। यहां सेल्फी पॉइंट और सुंदर गार्डन बनाए जाने की योजना है। गार्डन, बाउंड्रीवॉल जैसी संरचनाएं तैयार की जाएंगी।

सच हमेशा जीतता है, पर दुर्भाग्य से इसकी कोई टाइमलाइन नहीं होती!

कब तक, सर? आप क्या चाहते हैं कि हम कब तक घर पर बैठे रहें और रात को बाहर भी न जाएं? उस नौजवान की आवाज में बहुत दर्द था। मैं एक यूनिवर्सिटी में पैरेंट मीटिंग को संबोधित कर रहा था और वह नौजवान कॉलेज जाने वाले अपने पैरेंट्स के साथ उस प्रोग्राम में आया था। उसका यह सवाल तब उठा जब मैंने कहा कि इस साल पास होने वाले युवा जब भी नाइट आउट के लिए जाएं या कोई काम हाथ में लें, तो उन्हें सावधान रहना चाहिए। खीझता से भरे हुए उसके इस प्रश्न का जवाब देने के लिए मैंने दर्शकों से एक कहानी सुनाने की अनुमति मांगी, जिसमें 38 साल पहले एक गलत काम हुआ था और सच पिछले हफ्ते ही सामने आया। ये कहानी 68 वर्षीय पीटर सुलिवन की है, जिन्होंने यूके की जेल में 38 साल एक ऐसे अपराध के लिए बिताए जो उन्होंने कभी किया ही नहीं। उन्हें पिछले मंगलवार को रिहा किया गया! हां, ये कहानी इस बात का प्रमाण है कि अंततः सत्य की जीत होती है, लेकिन कभी-कभी इसकी कीमत 38 साल की कामकाजी जिंदगी होती है।

अगस्त 1986 में, 21 वर्षीय डायने सिंडल एक पब की शिफ्ट करके घर लौट रही थीं और एक पेट्रोल स्टेशन की ओर जा रही थीं। आरोप था कि इसी दौरान पीटर भी नशे में एक अन्य पब से निकला और उसके हाथ में क्रोबार (लोहे की रॉड) थी, बताया गया कि एक डार्ट मैच में हारने के बाद उसने दिनभर जमकर शराब पी थी। उधर, सिंडल की मार-मारकर हत्या कर दी गई और उसके साथ यौन उत्पीड़न हुआ। इस हत्याकांड की क्रूरता के कारण हत्यारे की खोज की तरफ पूरे देश का ध्यान था। पीटर को संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया गया। उसने तब हत्या की बात कुबूली, पर बाद में इसे वापस ले लिया। अब लोग कहते हैं कि ये पुलिस की यातना के कारण हो सकता है।

वह अपने केस को रिव्यू करने के लिए लगातार आवेदन पर आवेदन देता रहा, अंततः 2021 में उसकी सुनवाई हुई, जब उसने अपने डीएनए टेस्ट की मांग की, क्योंकि केस में डीएनए सैंपल संभालकर रखे हुए थे। आखिरकार डीएनए मेल नहीं खाया और

जबकि पीटर ने कहा, मैं न तो गुस्से में हूं और न मन में कड़वाहट है। मुझे इस दुनिया में मिले अस्तित्व का अधिकतम लाभ उठाना है। न्याय में देरी का ऐसा ही एक मामला, इस सोमवार को चेन्नई में भी सामने आया। चेन्नई नगर निगम परिवहन विभाग के ड्राइवर डी. प्रसाद ने 27 जून 2012 को ड्यूटी में सौंपी पांच ट्रिप पूरी कीं और बस में खराबी का कहकर बस डिपो में खड़ी कर दी। बाद में उन्हें एक अन्य बस सौंपी गई, जिसमें भी खराबी थी- इसका स्टीयरिंग व्हील क्षतिग्रस्त था और ड्राइवर की सीट भी टूटी थी।

पुलिस ने केस फिर से ओपन किया और 260 से अधिक लोगों की जांच की। यूके पुलिस प्रमुख ने दावा किया कि वे अपराधी को पकड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जबकि पीटर ने कहा, मैं न तो गुस्से में हूं और न मन में कड़वाहट है। मुझे इस दुनिया में मिले अस्तित्व का अधिकतम लाभ उठाना है। न्याय में देरी का ऐसा ही एक मामला, इस सोमवार को चेन्नई में भी सामने आया। चेन्नई नगर निगम परिवहन विभाग के ड्राइवर डी. प्रसाद ने 27 जून 2012 को ड्यूटी में सौंपी पांच ट्रिप पूरी कीं और बस में खराबी का कहकर बस डिपो में खड़ी कर दी। बाद में उन्हें एक अन्य बस सौंपी गई, जिसमें भी खराबी थी- इसका स्टीयरिंग व्हील क्षतिग्रस्त था और ड्राइवर की सीट भी टूटी थी।

बस की इस हालत में छठवीं ट्रिप पूरी करते हुए डी प्रसाद ने बस से नियंत्रण खो दिया और फ्लाईओवर की रेलिंग से टकराते हुए 25 फीट नीचे गिर गई और 36 लोग घायल हो गए। कुछ लोगों ने कहा कि प्रसाद फोन का उपयोग कर रहे थे, जबकि प्रशासन ने उन्हें लापरवाही से गाड़ी चलाने का आरोप लगाया और उन्हें निलंबित कर दिया। प्रसाद ने अपने निलंबन को शहर की श्रम अदालत में चुनौती दी और 2016 में पुनः नियुक्त हुए, लेकिन इसकी कीमत उन्हें दिल का दौरे के रूप में चुकानी पड़ी और वे कर्ज में डूब गए। प्रसाद कहते हैं, ह्लसबसे बड़ा दर्द यह था कि मुझे सुने बिना दोषी ठहराया गया और उन्होंने कभी पुराने लॉग शीट की जांच नहीं की, जिसमें बस की मरम्मत का उल्लेख था।ह्व

लापरवाही का कोई सबूत नहीं मिलने के बाद चेन्नई की एक अदालत ने पिछले हफ्ते उन्हें बरी कर दिया। अदालत ने पाया कि पुराने खराब रखरखाव वाले बसों के बेड़े में खराबी थी। पर याद रखें उन्होंने 13 साल की अपनी क्वालिटी लाइफ गंवा दी। फंडा यह है कि सत्य की जीत निश्चित है, लेकिन यह कोई टाइमलाइन देने में असफल होता है। इसलिए अपने दैनिक जीवन में सावधान रहना बेहतर है, खासकर जब आप युवा हैं। साथ ही बेवजह के जोखिम उठाने से भी बचना चाहिए।

संत वचन

मसीह में प्यारे भाइयों और बहनों, आज जब हम सबने पवित्र शास्त्र के वचनों को सुना, तो हम सभी को याद दिलाया गया कि हम में से हर एक को ईसाई होने के नाते, परमेश्वर के पवित्र और प्रिय लोगों के रूप में, अपने प्यारे परमेश्वर और उद्धारकर्ता, प्रभु की शिक्षाओं का पूरे दिल से पालन करना जारी रखना चाहिए, जिन्होंने अपने पुत्र, यीशु मसीह के माध्यम से हमारे प्रति अपना प्रेम प्रकट किया है, अपने प्रेम को हमारे प्रति पूर्ण रूप से और उस तरीके से प्रकट किया है जो हमारे लिए मूर्त और सुलभ है, ताकि हम उनके प्रेम और उद्धार से लाभान्वित हो सकें, और हम अपने जीवन की यात्रा में उनके हमेशा धैर्यपूर्ण मार्गदर्शन और सहायता के बारे में अक्सर इन सभी के कारण अपने मंत्रालय के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि प्रभु ने उन फरीसियों की आलोचना की और उन्हें उनके व्यवहार के लिए फटकार लगाई,

अब दुनिया की धारणाओं को बदलने का समय आ गया है

पिछले 36 वर्षों में भारत पर अनगिनत सीमापार आतंकी हमलों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को वाजिब नसीहत देने का मन नहीं बना पाया है। यह स्पष्ट है कि आतंकवाद का सबसे लंबे समय से शिकार रहने का भारतीय नैरेटिव अब पर्याप्त नहीं है। अमेरिका और अन्य देश भारत के साथ सहानुभूति तो जताते हैं, लेकिन पाकिस्तान को दोषी ठहराने के प्रयास उतनी गंभीरता से नहीं करते। उनकी चिंता दो परमाणु शक्ति-सम्पन्न पड़ोसी-देशों के बीच संघर्ष से उत्पन्न होने वाले खतरों के बारे में ही रहती है। भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य-टकराव तो फिलहाल शांत हो गया है और भारत ने अपने रणनीतिक और सामरिक उद्देश्य हासिल कर लिए हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय वैधता की लड़ाई अभी शुरू ही हुई है। यह ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसमें भारत बहुत सक्रिय रहा हो, लेकिन अब उसे इसका एहसास हो गया है। मौजूदा दौर में धारणाओं के युद्ध का भी बड़ा महत्व है और वास्तविक युद्ध में जीत के साथ ही कूटनीतिक स्पष्टता और नैरेटिव का प्रभुत्व भी जरूरी हो गया है। इसी के चलते सरकार ने फैसला किया कि एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भारत की स्थिति को समझाने के लिए दुनिया की प्रमुख राजधानियों और थिंक टैंकों की यात्रा करेगा। यह न केवल बेहतरीन कूटनीति, बल्कि अच्छी शासन-कला भी है।

एडिट.नोट

यह 1994 की याद दिलाता है, जब तत्कालीन अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री रॉबिन राफेल ने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव में डाल दिया था। तब 22 फरवरी 1994 को भारत की संसद में जम्मू-कश्मीर पर एक सर्वदलीय प्रस्ताव ने सशक्त संदेश दिया था। अटल बिहारी वाजपेयी, फारूख अब्दुल्ला और सलमान खुर्शीद को जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत का पक्ष रखने के लिए भेजने के निर्णय से भी जम्मू-कश्मीर और मानवाधिकारों पर भारतीय नैरेटिव को काफी मजबूती मिली थी। संघर्ष के बाद का दौर ही अकसर वह बिंदु होता है, जिसके आधार पर दीर्घकालिक परिणाम आकार लेते हैं। संघर्ष-समाप्ति एक प्रक्रिया है, न कि अंतिम बिंदु। यकीनन, यह महत्वपूर्ण होता है कि सैन्य-विजय किसने प्राप्त की, लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि दुनिया को अपने उद्देश्यों के बारे में समझाने में कौन अधिक सफल रहा। लंबे समय से पाकिस्तान नैरेटिव युद्ध का लाभ उठाता आ रहा है। वह खुद को क्षेत्रीय अस्थिरता का शिकार बताता है और आतंकवाद को पनाह देने की जवाबदेही से बचता है। वैश्विक विमर्श भी कई बार गलत तुलनाओं से ग्रस्त रहता है और ह्यदोनों पक्षों से तनाव कम करनेह्व का आग्रह करता है, जबकि उनमें से एक पक्षयानी हम आतंकवाद के शिकार हैं। इस संदर्भ में, भारत द्वारा अपने इरादों को स्पष्ट करने का निर्णय सामयिक और आवश्यक है। हमारा नैरेटिव वैश्विक धारणाओं को प्रबंधित करने के बजाय उसका नेतृत्व करने का होना चाहिए और यह प्रबुद्ध, ऊर्जावान प्रतिनिधियों के द्वारा ही किया जा सकता है।

भारत को सुनिश्चित करना होगा कि उसकी सुरक्षा चिंताओं को न तो गलत समझा जाए और न ही अनदेखा किया जाए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय पहले ही यूक्रेन और गाजा की हिंसा से काफी थक चुका है, ऐसे में मौजूदा संघर्ष और उसमें भारत के रुख की वैधता पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है। रणनीतिक सम्प्रेषण में सर्वदलीय एकता का प्रदर्शन तो और आश्वस्त करने वाला है। यह विदेशी सरकारों और रणनीतिक समुदायों को संकेत देता है कि यह कोई पक्षपातपूर्ण अभियान या राजनीतिक स्टंट नहीं है। बल्कि, यह एक गहन विचार-विमर्श वाला राष्ट्रीय प्रयास है, जिसे समूचे राजनीतिक स्पेक्ट्रम का समर्थन प्राप्त है- सत्ताधारी पार्टी से लेकर विपक्ष तक, और राष्ट्रीय दलों से लेकर प्रमुख क्षेत्रीय ताकतों तक। इसके अलावा, विभिन्न वैचारिक और क्षेत्रीय पृष्ठभूमियों के स्वरों को सम्मिलित करने से यह सुनिश्चित होता है कि प्रतिनिधिमंडल को भारतीय लोगों के प्रतिनिधि के रूप में देखा जाता है, न कि केवल भारतीय राज्यसत्ता के। वॉशिंगटन, लंदन, ब्रसेल्स, पेरिस, बर्लिन, टोक्यो, अबू धाबी, रियाद, कैनबरा और मॉस्को का चयन भी भारत की सूक्ष्म कूटनीतिक पहुंच को दशार्ता है।

अभिजीत अय्यर मित्रा - लेखक

ना तो मदद की जरूरत थी और ना ही हमने मदद मांगी

क्या सच में ही भारत पाकिस्तान से हुए संघर्ष में अकेला पड़ गया था? क्या आईएमएफ हमारे खिलाफ था? क्या हमारी कूटनीति विफल रही? क्या अमेरिका ने हमारा साथ नहीं दिया और क्या रूस, इजराइल और फ्रांस ने हमें अकेला छोड़ दिया? ये सवाल आज चारों ओर घूम रहे हैं। लेकिन सबसे पहले हमें समझना होगा कि भारत ने दुनिया से मदद मांगी ही नहीं थी। भारत यूक्रेन की तरह अपने से कई गुना बड़े पड़ोसी देश से नहीं लड़ रहा था। न ही वह इजरायल जैसा छोटा देश है- जो हरियाणा के आधे आकार का है और जिसकी आबादी अहमदाबाद से भी कम है। इसके उलट भारत पाकिस्तान से आकार में 4 गुना और आबादी में 6 गुना बड़ा है। वह दुनिया की एक बड़ी अर्थव्यवस्था भी है।

हम गोला-बारूद और मिसाइलों के विशाल युद्ध-भंडार और एक बड़ी स्थायी सेना को बनाए रख सकते हैं। और 1960 के दशक के विपरीत इस बार हम खाद्य-सहायता के लिए भी दुनिया पर निर्भर नहीं थे। शायद भारत के लिए एक ही चीज की कमी थी- वैश्विक नेताओं द्वारा समर्थन में सार्वजनिक बयान। लेकिन इसके लिए हमें समझना होगा कि पहलगाम हमले का पैमाना- जिसमें 26 लोग मारे गए थे- रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरूआत या इजराइल पर हमास के हमले की तुलना में काफी बड़ा नहीं था। प्रश्न उठता है कि जब भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की तो दुनिया ने इस पर अधिक शोर क्यों नहीं मचाया? इसके कई कारण हैं। पहला यह कि अगर भारत ने समर्थन मांगा होता, तो उसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ती। इसके लिए ही जेलेंस्की को व्हाइट हाउस में सार्वजनिक रूप से अपमानित होना पड़ा था। अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता के चलते ही इजराइल को दो बार सीजफायर करना पड़ा, जबकि उसका ऐसा कोई इरादा नहीं था।ल को तो वैश्विक जनमत का समर्थन मांगने के बावजूद बदले में अपने खिलाफ सबसे संगठित अंतरराष्ट्रीय अभियान मिला, जिसमें उसके पुराने यूरोपीय सहयोगियों ने भी उस पर युद्ध-अपराध और नरसंहार का आरोप लगाया। हेग में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने उसके खिलाफ फैसला सुनाया। नेतन्याहू की विदेश यात्राएं भी उनके खिलाफ जारी किए गए अंतरराष्ट्रीय वारंट के कारण बहुत कम हो गई हैं। वास्तव में, दुनिया में कोई भी समर्थन मुफ्त नहीं मिलता। 1971 में रूस- जिसके साथ हमने उसी साल आपसी रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे- ने पश्चिमी सेक्टर में ऑपरेशन रोकने के लिए हम पर बहुत दबाव डाला था। अमेरिकियों ने बंगाल की खाड़ी में अपना 7वां बेड़ा भेज दिया था। चीनियों ने सीमावर्ती राज्यों में सेनाएं भेजने की धमकी दी और उन्हें केवल इस तथ्य ने रोका कि युद्ध दिसंबर में लड़ा गया था और हिमालय पर भारी बर्फबारी हो रही थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 104 से 11 के बहुमत से युद्ध विराम के लिए मतदान किया। 1999 में भी हम आर्थिक महाशक्ति नहीं थे और 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद प्रतिबंधों से जूझ रहे थे। लेकिन 2025 में ऐसा कुछ नहीं हुआ। केवल तुर्किये और अजरबैजान ने ही पाकिस्तान का समर्थन किया। अजरबैजान ने इसलिए, क्योंकि हमने पिछले साल यूक्रेन के साथ एक बड़े हथियार सौदे की घोषणा करके उसे नाराज कर दिया था।

चीन ने आतंकी हमले की निंदा की, लेकिन पाकिस्तान को वित्तीय सहायता नहीं दी। अतीत के विपरीत उसने सुरक्षा परिषद या संयुक्त राष्ट्र की आमसभा में भारत के खिलाफ कोई प्रस्ताव नहीं रखा। तब असली मुद्दा अमेरिका और आईएमएफ का बन जाता है। तथ्य यह है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही परमाणु शक्तियां हैं और अमेरिका परमाणु मुद्दों के प्रति बहुत संवेदनशील है। किराना हिल्स में पाकिस्तान के कथित परमाणु स्थल पर भारत के हमले ने चीजों को बदल दिया। साइट से रैडिएशन की खबरें सामने आईं, जिसे आईएमएफ नजरअंदाज नहीं कर सकता था।

अमेरिका को भी इसमें शामिल होना पड़ा, क्योंकि वह किसी बड़े पैमाने पर युद्ध का जोखिम नहीं उठा सकता था। पाकिस्तानियों ने भी खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। आईएमएफ ने पाकिस्तान को 2.3 अरब डॉलर का कर्ज दिया, जिसमें से 1 अरब डॉलर को तत्काल जारी करने के लिए मंजूरी दी गई। पहलगाम हमले से कई हफ्ते पहले ही कर्ज जारी करने की अनुमति अमेरिका ने दे दी थी और तत्काल 1 अरब डॉलर जारी करने की शर्त भी पाकिस्तान द्वारा भारत पर जवाबी हमला न करने की शर्त पर रखी गई थी।

बिजनेस

यूट्यूबर को हर महीने 427 करोड़ की कमाई:26 साल की उम्र में मिस्टर बीस्ट अरबपति बने

मुंबई । मिस्टर बीस्ट के नाम से मशहूर यूट्यूबर जिमी डोनाल्डसन हर महीने कमाई करीब 50 मिलियन डॉलर (427 करोड़ रुपए) है। 26 साल की उम्र में वह अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हुए हैं। यानी, उनकी नेटवर्थ करीब 8,500 करोड़ रुपए के करीब है। सेलेब्रिटी नेटवर्थ के मुताबिक वे दुनिया के 8वें सबसे युवा अरबपति हैं। 2019 में मिस्टर बीस्ट ने ट्वीट कर कहा था, मेरा लक्ष्य पैसा कमाना है, लेकिन मरने से पहले हर पैसा दान कर दूंगा। इसके बाद 2023 में उन्होंने कहा कि अमीरों को दूसरों की मदद करनी चाहिए। मैं यही करूंगा। मेरा हर पैसा दान किया जाएगा।

मिस्टर बीस्ट ने इसी साल फरवरी में एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा था कि वे सर्फ कागजों पर अरबपति हैं। उन्होंने कहा मैं पेपर पर तो अरबपति हूं, लेकिन बैंक अकाउंट में 10 मिलियन डॉलर (8.3 करोड़ रुपए) भी नहीं हैं। महीने का जितना खर्च है, उतना ही खुद को सैलरी देता हूं।

मिस्टर बीस्ट यूट्यूब पर सबसे बड़े क्रिएटर्स में से एक हैं। उनके यूट्यूब पर 396 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और इंस्टाग्राम 500 मिलियन से ज्यादा पर फॉलोअर्स हैं।7 मई 1998 को अमेरिका के कंसास में जन्में मिस्टर बीस्ट ने महज 12 साल की उम्र में नाम से यूट्यूब चैनल शुरू किया था। शुरूआती दिनों में वे गेमिंग और दूसरे यूट्यूबर्स की कमाई का अनुमान लगाने जैसे वीडियो बनाते थे, लेकिन 2017 में 1 लाख तक गिनती करने वाला वीडियो वायरल होने के बाद उनकी किस्मत बदल गई।

फूड और बेवरेजः मिस्टर बीस्ट ने फीस्टेबल्स (ऋ्र२३ु'ार) चॉकलेट ब्रांड और मिस्टरबीस्ट बर्गर्स नाम से एक वर्चुअल रेस्तरां चेन भी चलाते हैं।

टेलीविजनः उनकी रियलिटी सीरीज ह्लबीस्ट गेम्सह्व प्राइम वीडियो पर दिसंबर 2024 में लॉन्च हुई थी। इसनें 50 मिलियन व्यूज और100 मिलियन डॉलर का मुनाफा कमाया।

लेखनः मिस्टर बीस्ट ने बेस्टसेलिंग लेखक जेम्स पैटरसन के साथ मिलकर 2026 में रिलीज होने वाली एक थ्रिलर नॉवेल की घोषणा की है।

परोपकारः उन्होंने ह्लबीस्ट बर्गरह्व और समुद्र सफाई जैसे परोपकारी प्रोजेक्ट्स शुरू किए, जिसने उन्हें वैश्विक प्रशंसा दिलाई।

मई 2025 में, मिस्टर बीस्ट का वीडियो आई सर्वाइव्ड 100 आवर्स इन एन एंशिएंट टेंपलह्व मैक्सिको के चिचेन इत्जा, कालकमुल, और बलमकांचे जैसे पुरातात्विक स्थलों पर फिल्माया गया। इसने 60 मिलियन से अधिक व्यूज हासिल किए। हालांकि मैक्सिकन अधिकारियों और पुरातत्वविदों ने इसकी आलोचना की।

राज-काज

शादियों के सीजन में कम हुई सोने की चमक

नई दिल्ली। दुनियाभर के बाजारों में जारी नरमी के चलते बुधवार को एक बार फिर सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत 659 रुपये गिरकर 96,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले मंगलवार को सोने की कीमतों में 950 रुपये की बढ़त देखने को मिली थी। वहीं बुधवार को भी चांदी की कीमत 1,450 रुपये गिर गई।ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 700 रुपये की गिरावट के साथ 96,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 97,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत पिछले कारोबारी सत्र में 97,500 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी।बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका के साथ व्यापार समझौते कर रही हैं।

सोने-चांदी के दाम में तेजी-सोना 93,807 प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी 95,800 किलो हुई

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 20 मई को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क्चखअ) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 32 बढ़कर 93,807 पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 93,785 प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी का भाव 45 बढ़कर 95,800 हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 95,755 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,170 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,020 रुपए है। कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 87,100 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 95,020 रुपए है। चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,020 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,070 रुपए है।

इस साल अब तक 17,645 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 17,645 रुपए बढ़कर 93,807 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,783 रुपए बढ़कर 95,800 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

एक्सपर्ट्स के अनुसार अभी सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव हो रहा है। ऐसे में अगर आप सोने में निवेश की योजना बना रहे हैं तो हर गिरावट में सोने में थोड़ा-थोड़ा निवेश करना सही रणनीति हो सकता है। अभी इसके एक साथ बड़े निवेश ये बचना चाहिए। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इक्र) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ত्नवक्ळकहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

सेंसेक्स 873 अंक गिरकर 81,186 पर बंद:निफ्टी 262 अंक लुढ़का, ऑटो और रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली

मुंबई। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी 20 मई को सेंसेक्स 873 अंक गिरकर 81,186 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 262 अंक की गिरावट रही, ये 24,684 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 27 शेयरों में गिरावट और 3 में तेजी रही। जोमैटो का शेयर 4.10% की गिरा। मारुति और अल्ट्राटेक सीमेंट सहित कुल 14 शेयरों में 2.8% तक गिरावट रही। टाटा स्टील में मामूली तेजी रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 42 गिरकर बंद हुए। ऑटो, मीडिया और रियल्टी में करीब 2% की गिरावट है। ठरए के ऑटो सेक्टर में 2.17%, हेल्थकेयर में 1.41%, रियल्टी में 1.11%, मीडिया और फार्मा में 1.36% की गिरावट रही।अमेरिका के साथ ट्रेड डील साफ नहीं: अमेरिका और भारत के बीच संभावित व्यापार समझौते को लेकर मार्केट की उम्मीदें कम हो रही हैं। निवेशक अब बातचीत पर क्लेरिटी चाहते हैं। क्योंकि चीन और ब्रिटेन ने अमेरिका के साथ डील फाइनल कर ली है। अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग में गिरावटः मूडीज ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग कम करके अं1 कर दिया है। इससे मार्केट सेंटिमेंट प्रभावित हुआ है। अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग में गिरावट ने फाइनेंशियल मार्केट को प्रभावित किया है।

नए पॉजिटिव ट्रिगर की कमी- पिछले कुछ सेशन में भारतीय शेयर बाजार नए ट्रिगर्स की कमी के चलते एक लिमिट में रहा है। टैरिफ और जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बाद, बाजार लाभ को बनाए रखने के लिए चौथी तिमाही के ऋ्रड्ढऔर इनकम ग्रोथ का इंतजार कर रहा है। जून में फ्इकऔर वर फेडरल रिजर्व की मीटिंग भी घरेलू बाजार को प्रभावित करेंगी। मुनाफा वसूली- पिछले कुछ सेशन से बाजार लगातार बढ़ता रहा है। ऐसे में जियो पॉलिटिकल टेंशन और भारत-पाक संघर्षों के अनिश्चितता के चलते बाजार में हर तेजी के बाद निवेशक मुनाफावसूली कर रहे हैं। इससे बाजार में गिरावट हो रही है।

विदेशी निवेशक बाजार को लेकर सतर्क हैं- बढ़े हुए वैल्यूएशन, मिक्स्ड अर्निंग और ट्रेड डील में देरी के लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 19 मई को कैश सेगमेंट में 525.95 करोड़ मूल्य के भारतीय शेयर बेचे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 30 अंक (0.08%) चढ़कर 37,529 पर और कोरिया का कोस्पी 1 अंक गिरकर 2,601 पर बंद हुआ।

हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स करीब 349 अंक (1.49%) ऊपर, 23,681 पर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट 13 अंक (0.38%) चढ़कर 3,380 पर बंद हुआ।

उत्तरी गाजा पट्टी के जबालिया में सामुदायिक रसोई में दान में भोजन पाने के लिए फिलिस्तीनियों को संघर्ष करना पड़ रहा है

बिजली गिरने से तीन बच्चों समेत चार की मौत, सीहोर-सागर में पेड़ गिरे, कई वाहन दबे

एमपी में 20 से ज्यादा जिलों में आंधी-बारिश

संवाददाता ● भोपाल

अलर्ट

मध्यप्रदेश में सोमवार को तेज गर्मी, आंधी और बारिश का दौर रहा। 20 से ज्यादा जिलों में तेज हवाओं के साथ पानी गिरा। सीधी में सवा इंच पानी गिर गया। शिवपुरी में आधा इंच बारिश हुई। भोपाल, इंदौर, देवास, दमोह, गुना सागर, छिंदवाड़ा, रायसेन, शिवपुरी, बड़वानी, मऊगंज, रतलाम, बीना, रतलाम में आंधी-बारिश का दौर जारी रहा। रतलाम के रिंगनोद थाना क्षेत्र के मेंहदी गांव में आकाशीय बिजली गिरने से वीरू (14) पिता कमल और गोपाल (15) पिता बलराम दमामी की मौत हो गई। दोनों बकरियां चराने गए थे। तभी बिजली इनके ऊपर गिर गई। सीधी जिले के बहरी थाना क्षेत्र के सरेह गांव में बिजली गिरने से एक महिला की भी जान चली गई। मंडला में बनेहरी गांव में आकाशीय बिजली गिरने से मान्या तेकाम (10) की भी मौत हो गई।

मौसम विभाग ने 22 जिलों में बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में इंदौर, जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, हरदा, बैतूल, मंडला, अनूपपुर के अमरकंटक, डिंडौरी, रीवा, मऊगंज, मैहर, विदिशा, अशोकनगर, सागर, शिवपुरी, सीहोर, देवास, बुरहानपुर और आगर शामिल है। यहां बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इधर, छतरपुर जिले के खजुराहो में पारा रिकॉर्ड 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सीजन में पहली बार रिकॉर्ड तापमान दर्ज किया गया। वहीं, नौगांव में 44.7 डिग्री, टीकमगढ़ में 44.6 डिग्री, शिवपुरी में 44 डिग्री रहा।

भोपाल में 40.2 डिग्री रहा तापमान

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 40.2 डिग्री, इंदौर में 38.6 डिग्री, उज्जैन में 40.5 डिग्री, जबलपुर में 40.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह सतना में 43.2 डिग्री, ग्वालियर में 43.1 डिग्री, दमोह में 43 डिग्री, सीधी में 42.8 डिग्री, गुना में 42.7 डिग्री, सागर में 41.7 डिग्री, रीवा में 41.4 डिग्री, मंडला में 41 डिग्री, शाजापुर में 40.8 डिग्री, उमरिया में 40.5 डिग्री, रतलाम में 40.4 डिग्री और नर्मदापुरम में 40.2 डिग्री रहा।

यहां ऐसे बदला मौसम

भोपाल : यहां शाम को बादल छाए और बारिश शुरु हो गई। शहर के एमपी नगर और कटारा हिल्स समेत कई इलाकों में करीब 10 मिनट तक बारिश हुई। हालांकि बाद में मौसम साफ हो गया।

गुना : यहां दोपहर करीब 3:30 बजे से लगभग पौने घंटे तक जोरदार बारिश होती रही। इससे मौसम में ठंडक घुल गई और तेज गर्मी से लोगों को राहत मिली।

शिवपुरी : यहां दोपहर 3 बजे के आसपास तेज बारिश हुई। इसके साथ-साथ तेज हवाएं भी चलीं। बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम ठंडा होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

बड़वानी : जिले के सेंधवा ब्लॉक के बिजासन घाट क्षेत्र में आधे घंटे तक आंधी के साथ बारिश हुई। इससे कच्चे मकानों की छत उड़ गई। मंदिर क्षेत्र में लगी गुमटियां भी उड़ गईं। एक मकान की दीवार भी गिर गई।

देवास : यहां दोपहर बाद अचानक मौसम में बदला। शहर के बाहरी इलाकों में करीब 15 मिनट तक तेज बारिश हुई। उसके बाद मौसम फिर से साफ हो गया। बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

दमोह : शहर में दोपहर 3:30 बजे के बारिश शुरु हुई। तेज हवा और आंधी के चलते शहर में कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

महू : दोपहर अचानक तेज हवा के साथ बारिश हुई। आंधी के कारण मध्य भारत अस्पताल में एक पेड़ शेड पर गिर गया। जिससे दो युवक घायल हो गए। पाताल पानी में घरों की टीन शेड की छत उड़ गई।

बीना : सोमवार दोपहर तेज हवा के साथ बारिश होने लगी। करीब आधे घंटे तक बारिश के कारण मौसम ठंडा हो गया। इसके बाद बादल छाए हैं।

मऊगंज : यहां दोपहर 1 बजे के बाद से रुक-रुक कर बारिश हुई। तेज हवाएं भी चली। जिले में अभी भी बादल भी छाए हैं।

शॉट न्यूज

भैंस को बचाने में पलटा शराब से भरा ट्रक, लोगों ने मचा दी लूट

जबलपुर। भीषण गर्मी और 40 डिग्री तापमान के बीच वियर की बोतलें लूटने की होड़ उस समय मच गई, जब जबलपुर की ओर से भोपाल के हजारीबाग जाते समय एक बीयर से भरा ट्रक जबलपुर जिले की सीमा से लगे कटनी जिले के छपरा गांव में भैंस को बचाने के चक्कर मे पलट गया। फिर क्या लोग मदद करने की वजह बीयर की बोतलें लूटने लगे। वही ट्रक ड्राइवर और क्लीनर गाड़ी में फंसे रहे, लेकिन लोग उन्हें बचाने की जगह शराब लूटने में लगे रहे। भीषण गर्मी के चलते जनजीवन पहले से ही प्रभावित था और इसी बीच जबलपुर से कटनी की ओर जा रहा शराब और बीयर से लदा एक ट्रक नेशनल हाईवे पर पलट गया, जिसने प्रशासन और समाज दोनों को हिलाकर रख दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक पलटने का कारण एक भैंस का अचानक सामने आ जाना था।

बर्थडे पार्टी में रोड पर लगाया टेंट थाने से 100 मीटर हवाई फायर

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में हर्ष फायरिंग के मामले हर दिन सामने आ रहे है। किसी भी खुशी के मौके पर बंदूकों से हवाई फायर करना अब आम बात हो गई है। भले ही प्रशासन और शासन ने इस पर रोक लगाई हो। ताजा मामला ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि इस बार हर्ष फायरिंग पुलिस थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर हुई है, वह भी बीच सड़क पर टेंट लगाकर। मामला गढ़ा थाने से चंद कदमों की दूरी पर हुए जन्मदिन समारोह का है। इलाके की एक कुख्यात गैंग के सदस्य दीपांशु दुबे के जन्मदिन के मौके पर बीच सड़क पर टेंट लगाया गया, जिससे पूरे का पूरा ट्रैफिक डिस्टर्ब हो गया। दीपांशु दुबे बीजेपी के एक विधायक का करीबी भी है। 16 मई की रात दीपांशु का जन्मदिन मनाने के लिए गढ़ा थाना के पास छोटा जैन मंदिर के सामने बीच सड़क पर टेंट लगाया गया। इसमें क्षेत्र के कुख्यात बदमाश और अपराधी तत्व शामिल हुए।

तेंदूपत्ता बीनने गए तीन लोगों को हाथियों ने रौंदा, गांवों में दहशत

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के ब्योहारी वन परिक्षेत्र में सुबह दो जंगली हाथियों ने कहर बरपाया। अलग-अलग गांवों में तेंदूपत्ता बीनने गए तीन ग्रामीणों को रौंदकर उनकी जान ले ली। ये घटनाएं सुबह 6 से 8 बजे के बीच हुईं, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। ब्योहारी वन संभाग के एसडीओ रेशम सिंह धुर्वे के मुताबिक, पहली घटना सानौसी गांव में हुई, जहां 40 वर्षीय उमेश कोल पर हाथियों ने हमला कर दिया। उमेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी किसी तरह एक पेड़ पर चढ़कर जान बचाने में सफल रही। दूसरी घटना ढोंडा गांव में घटी, जहां 65 वर्षीय देवगनिया बैगा को हाथियों ने कुचलकर मार डाला। तीसरी घटना कोलूहा-घटवा बरछ गांव में हुई, जहां 8 वर्षीय बालक मोहन लाल पटेल की भी जान चली गई।

MP के श्रद्धालुओं के लिए सौगात, भारत गौरव ट्रेनें

यहीं से मिलेगा केदारनाथ के लिए हेलीकॉप्टर का कंफर्म टिकट

संवाददाता ● भोपाल

घोषणा

मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए आईआरसीटीसी (IRCTC) ने जून और जुलाई में विशेष भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों की घोषणा की है, जिनमें से एक ट्रेन 7 जून को नागपुर से और दूसरी 5 जुलाई को इंदौर से रवाना होगी। इन ट्रेनों की खास बात यह है कि केदारनाथ यात्रा करने वाले यात्रियों को कंफर्म हेलिकॉप्टर टिकट देने के साथ बाबा केदार के दर्शन कराए जाएंगे। भोपाल, इटारसी, बीना, उज्जैन, रतलाम जैसे मध्यप्रदेश के प्रमुख स्टेशनों से यात्री इन ट्रेनों में सवार हो सकेंगे। IRCTC की ये दोनों ट्रेनें उत्तर और दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराएंगी, जिसमें श्रद्धालुओं को पूरी यात्रा के दौरान आवास, भोजन, यात्रा बीमा, ऑनबोर्ड सुविधाएं और अनुभवी टूर गाइड्स की सेवा भी मिलेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनें मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों से होकर गुजरेंगी, जिससे राज्य के हर कोने से श्रद्धालु इस विशेष यात्रा का हिस्सा बन सकें। आईआरसीसीटी के रीजनल मैनेजर आर भट्टाचार्य का कहना है कि पहली विशेष ट्रेन 'देवभूमि बड़ी केदार कार्तिक स्वामी यात्रा' 7 जून 2025 को नागपुर से रवाना होगी।

यह ट्रेन नागपुर, इटारसी, भोपाल, बीना, झांसी, ग्वालियर, आगरा, मथुरा होते हुए हरिद्वार पहुंचेगी। वहां से यात्रियों को रोड यात्रा द्वारा केदारनाथ, कार्तिक स्वामी और तुंगनाथ जैसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। खास बात यह है कि इस यात्रा में केदारनाथ के लिए कंफर्म हेलिकॉप्टर टिकट शामिल है, जिससे श्रद्धालु बिना लंबी लाइन के सीधे हेलीपैड से बाबा केदार के दर्शन कर सकेंगे।दूसरी विशेष ट्रेन 'दक्षिण दर्शन यात्रा' 5 जुलाई 2025 को इंदौर से रवाना होगी। यह ट्रेन इंदौर, उज्जैन, रतलाम, सिहोर, इटारसी, बैतूल और नागपुर स्टेशनों से होकर चलेगी। 9 रातों और 10 दिनों की इस यात्रा में रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी और त्रिवेंद्रम जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

तेंदूपत्ता बीनने गए तीन लोगों को हाथियों ने रौंदा, गांवों में दहशत

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के ब्योहारी वन परिक्षेत्र में सुबह दो जंगली हाथियों ने कहर बरपाया। अलग-अलग गांवों में तेंदूपत्ता बीनने गए तीन ग्रामीणों को रौंदकर उनकी जान ले ली। ये घटनाएं सुबह 6 से 8 बजे के बीच हुईं, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। ब्योहारी वन संभाग के एसडीओ रेशम सिंह धुर्वे के मुताबिक, पहली घटना सानौसी गांव में हुई, जहां 40 वर्षीय उमेश कोल पर हाथियों ने हमला कर दिया। उमेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी किसी तरह एक पेड़ पर चढ़कर जान बचाने में सफल रही। दूसरी घटना ढोंडा गांव में घटी, जहां 65 वर्षीय देवगनिया बैगा को हाथियों ने कुचलकर मार डाला। तीसरी घटना कोलूहा-घटवा बरछ गांव में हुई, जहां 8 वर्षीय बालक मोहन लाल पटेल की भी जान चली गई। बताया जा रहा है कि ये हाथी बांधवगढ़ नेशनल पार्क से भटककर बाणस नदी होते हुए संजय गांधी टाइगर रिजर्व की ओर बढ़ रहे थे, इसी दौरान ये हमले हुए। वहीं, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घटना पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि मृतकों के परिजनों को 25 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वन विभाग ने तत्काल राहत के रूप में 50 हजार की सहायता भी दी है। मुख्यमंत्री ने वन अधिकारियों को तेंदूपत्ता संग्रह के दौरान सुरक्षा उपायों की समीक्षा और हाथियों की मूवमेंट पर निगरानी के निर्देश भी दिए हैं। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने हाल ही में 47.11 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी थी, जिसका उद्देश्य हाथियों की बढ़ती गतिविधियों पर नियंत्रण और मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं को रोकना है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान ने किया बड़ा ऐलान

सागर होगा देश का पहला टाइगर रिजर्व जहां बाघ, तेंदुआ और चीते रहेंगे एक साथ

संवाददाता ● सागर

मध्य प्रदेश के सागर जिले में स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बहुत जल्द चीते की बसाहट की 15 वर्ष पुरानी संकल्पना साकार होने वाली है। दरअसल, भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) देहरादून ने चीते की बसाहट के लिए दो नए स्थान चिन्हित किए हैं। उनमें गुजरात के बन्नी ग्रासलैंड रिजर्व के अलावा सागर के टाइगर रिजर्व को शामिल किया गया है। डब्ल्यूआईआई भारत में चीता प्रोजेक्ट की नोडल एजेंसी भी है। माना जा रहा है कि अगले वर्ष तक यहां चीतों की शिफ्टिंग हो जाएगी। अगर ऐसा होता है तो वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व देश का पहला ऐसा वाइल्डलाइफ एरिया होगा, जहां बिग केट फैमिली के तीन सदस्य एक साथ देखने मिलेंगे। अभी रिजर्व में टाइगर और तेंदुए की बसाहट है। सागर टाइगर रिजर्व में चीतों के आने से इस परिवार की तीन प्रजातियां हो जाएंगी। बता दें कि देश में चीतों की बसाहट के लिए डब्ल्यूआईआई ने देश में सबसे पहले सागर के इस टाइगर रिजर्व को चिन्हित किया था। वर्ष 2010 में यहां सर्वे किया गया था, जिसमें रिजर्व की तीन रेंज मुहली, सिंहपुर और झापन को चीता की बसाहट के अनुकूल माना गया था। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के डीआईजी डॉ। वीबी माथुर और डब्ल्यूआईआई के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने डिप्टी डायरेक्टर डॉ। एए अंसारी के साथ वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व की उक्त तीनों रेंज मुहली, झापन और सिंहपुर का दो दिन तक मैदानी मुआयना किया। जानकारों के अनुसार यह तीनों रेंज चीता की बसाहट के लिए आदर्श स्थान हैं। यहां लंबे-लंबे मैदान हैं। जिनमें यह जीव दौड़-दौड़कर शिकार कर सकेगा। इन तीनों रेंज का क्षेत्रफल करीब 600 वर्ग किलोमीटर है। जबकि सागर रिजर्व का संपूर्ण क्षेत्रफल 2339 किलोमीटर है। देश-दुनिया के लिए पहला प्रयोग होगा, जिसके तहत चीता-टाइगर और तेंदुए एक साथ रहेंगे। टाइगर रिजर्व सागर मुख्य रूप से बालों का बसेरा बन चुका है। ऐसे में वन्य जीव विशेषज्ञों द्वारा अक्सर यह सवाल उठाया जाता रहा है कि टाइगर की बसाहट के बाद क्या यहां चीता को लाया जा सकता है। क्या वे यहां जीवित रह पाएंगे। इसके जवाब में दूसरे वन्य जीव शास्त्रियों का कहना है कि यह संभव है। क्योंकि चीता, तेंदुआ और बाघ के शिकार का तरीका और उनके टारगेट जीव-जंतु अलग-अलग होते हैं। बाघ नीलगाय, भैंसा और हिरण प्रजाति के छोटे-बड़े जानवर का शिकार करता है।

स्टेशन पर पानी की टंकियों में जमी काई-गाद

पांच में से चार टंकियों के ढक्कन नहीं, इसी पानी का होता है हर काम में इस्तेमाल

संवाददाता ● इंदौर

पड़ताल

दो दिन से भोपाल रेलवे स्टेशन पर तकनीकी कारणों से पानी की सप्लाई बंद थी। जब टीम ने पड़ताल की तो असली वजह कुछ और ही निकली। प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर बनी पानी की टंकियां बेहद खराब हालत में मिली। पांच में से चार टंकियों के ढक्कन नदारद मिले। टंकियों के अंदर गंदगी की परत तैरती दिखी। पानी बंद के बारे में रेलवे ने इसे 'तकनीकी कारण' बताया, लेकिन जब दैनिक भास्कर की टीम मौके पर पहुंची तो मामला तकनीकी नहीं, बल्कि गंभीर लापरवाही का निकला। यहां बिलासपुर से परिवार सहित आए यात्री राजेंद्र साहू ने बताया:'18 मई से पानी की बहुत दिक्कत है। बच्चों को नहाने और फ्रेश होने में परेशानी हो रही है। हमारे लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है, लेकिन वह काफी नहीं है। अब कहीं और रुकने की सोचना पड़ रहा है। बता दें कि यह पानी रेलवे स्टेशन के वेटिंग रूम, पे एंड यूज टॉयलेट, के अलावा हल्के फुल्के खान पान की चीजों में भी किया जाता है

डीआरएम की सफाई-आंधी में ढक्कन उड़ गए, सफाई चल रही है - इस संबंध में भोपाल रेल मंडल के डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि हाल ही में आई आंधी के कारण टंकियों के ढक्कन उड़ गए। मार्च में सफाई करवाई गई थी। अब फिर से सफाई कराई जा रही है। वहीं स्टेशन पर मौजूद कर्मचारी केवल वैकल्पिक पानी पहुंचाने में लगे हैं। किसी को टंकियों की सफाई की चिंता नहीं है। यात्रियों को बिना साफ-सफाई वाले पानी से काम चलाने पर मजबूर किया जा रहा है।

50 से अधिक कस्टमर्स को रिफंड - पॉड होटल पिछले दो दिनों तक बंद रही, इन दो दिनों में करीब 50 से अधिक बुकिंग कैंसिल कर रिफंड देना पड़ रहा है। इसके अलावा आईआरसीटीसी की साइट पर भी बुकिंग पहले से ही बंद है। हालांकि सोमवार शाम से इसे फिर से चालू कर दिया गया।

राज्यपाल की अध्यक्षता में हुई यूनिवर्सिटी के शासी निकाय की पांचवीं बैठक

विवि बनें सामाजिक न्याय और अधिकारिता का प्रतीक : राज्यपाल पटेल

संवाददाता ● भोपाल

बैठक

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि विश्वविद्यालय बाबा साहब के सामाजिक न्याय और अधिकारिता की विरासत का प्रतीक बनें। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियाँ बाबा साहब के विचारों और जीवनी से प्रेरित हो। परिसर सामाजिक समरसता का जीवंत आदर्श प्रस्तुत करें। राज्यपाल पटेल राजभवन में डॉ. बीआर अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू की शासी निकाय की पांचवीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन, विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. रामदास गोमाजी आत्रम उपस्थित थे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य छात्र-छात्राओं को केवल उपाधि प्रदान करना नहीं है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन मूल्यों, उनके सामाजिक न्याय और समानता के संघर्ष और वंचितों के उत्थान के कार्यों के प्रति भावी पीढ़ी की अभिरुचि को बढ़ाना है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय वित्तीय संसाधनों के लिए सरकार पर आश्रित नहीं रहें। वित्तीय स्वावलंबन के लिए प्रयास किए जाए। विश्वविद्यालय विकास योजनाओं को सरकार के साथ समन्वय कर क्रियान्वित करें।

कार्य परिषद के निर्णय अनुमोदन के लिए प्रस्तुत

विश्वविद्यालय कार्य परिषद द्वारा कुलगुरु चयन समिति में कार्य परिषद द्वारा निर्वाचित सदस्य के प्रावधान को संशोधित कर, राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य के निर्णय का शासी निकाय की बैठक में सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसी तरह कार्य परिषद के विश्वविद्यालय के कुलपति और प्रति कुलपति के पदनाम को कुलगरु एवं प्रति कुलगुरु किये जाने के निर्णय का भी बैठक में अनुमोदन किया गया। पाँचवीं शासी निकाय की बैठक में प्रमुख सचिव जनजाति कार्य गुलशन बामरा, प्रमुख सचिव विधि विधायी कार्य एनपी सिंह, प्रमुख सचिव अनुसूचित जाति कल्याण ई। रमेश कुमार, अपर सचिव राजभवन उमाशंकर भार्गव, शासी निकाय के सदस्य, निदेशक, सामाजिक विज्ञान, शोध एवं प्रशिक्षण दीपक कुमार वर्मा, संकाय अध्यक्ष मनीषा सक्सेना, शासी निकाय के सचिव कौशलेन्द्र वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कान्स के रेड कॉर्पेट पर शालिनी पासी के हुस्न का जलवा

फिल्मी दुनिया में इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल की चर्चा खूब चल रही है। बॉलीवुड के सितारे भी रेड कार्पेट पर अपनी लुक से सभी का ध्यान खींचते नजर आ रहे हैं। इस बीच फेबुलस लाइफ ऑफ बॉलीवुड वाइव्स रियलिटी शो से चर्चा में आई दिल्ली की सोशलाइट और बिग बॉस में बतौर गेस्ट शिरकत करने वाली शालिनी पासी कान्स 2025 में पहुंची। बॉलीवुड सितारों की तरह ही वह सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग रखती हैं। यही कारण है कि रेड कार्पेट से उनकी लुक सामने आने के चंद मिनटों के अंदर ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। शालिनी पासी अपनी फिटनेस और लग्जरी लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। बिग बॉस के पिछले सीजन में उन्होंने दर्शकों को अपनी खूबसूरती और जिंदगी जीने के नियमों से प्रभावित किया। कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने के साथ ही उन्होंने साभी का ध्यान आकर्षित कर लिया। चुनिंदा स्टार्स ऐसे रहे हैं, जिनका कान्स लुक सबसे ज्यादा चर्चा में आया है, उनमें शालिनी का नाम भी शामिल हो चुका है। शालिनी पासी की आउटफिट की बात करें, तो वह फिल्म फेस्टिवल में एक मल्टीकलर गाउन पहनकर पहुंची। इस दौरान उनकी लुक को देखकर लगा कि सच में जलपरी आ गई हैं। रेड कार्पेट पर अपने लुक और स्टाइलिश वॉक से उन्होंने सभी का दिल जीत लिया। शालिनी पासी ने अपनी कान्स लुक की जानकारी देते हुए खुद इंस्टाग्राम पर अपनी रेड कार्पेट की तस्वीरें शेयर की। इसमें वह पोज देते हुए फोटो क्लिक करवाती नजर आईं। शालिनी की आउटफिट में भारत की संस्कृति की झलक देखने को मिली। इस बारे में उन्होंने अपनी पोस्ट के कैप्शन में बताया है। उन्होंने नोट में जानकारी दी कि यह गाउन मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया है, जो हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक की कहानी को कहता है।

तारक मेहता की माधवी भाभी ने गिराई हुस्न की बिजलियां

एक्ट्रेस सोनालिका जोशी चर्चा में बनी हैं। सोनालिका जोशी तारक मेहता का उल्टा चश्मा में माधवी भाभी का रोल निभाती हैं। शो में वो सीधी-सादी महिला के रोल में दिख रही हैं। शो में वो सिंपल साड़ी पहने दिखती हैं। लेकिन रियल लाइफ में सोनालिका बेहद ग्लैमरस और बोल्ड हैं। हाल ही में सोनालिका ने एक फोटोशूट शेयर किया है। इस फोटोशूट से आपकी नजरें नहीं हटेंगी। सोनालिक इसमें बेहद किलर लग रही हैं। सोनालिका जोशी ने लिखा, 'अपने फोटोशूट को री-पोस्ट किया है।' फोटोज में सोनालिका घागरा-चोली पहने दिख रही हैं। इस ब्लैक कलर की घाघरा-चोली में सोनालिका ने बेहद बोल्ड पोज दिए हैं। उन्होंने इस लुक को जंक जूलरी और बड़ी सी लाल बिंदी से कंप्लीट किया। उन्होंने कमरबंद भी बांधा हुआ है। सोनालिका ने इस लुक के साथ नोजरिंग भी पहनी। बालों को ओपन रखा और स्मोकी आईमेकअप लिया। पूरे लुक में वो कहर ढा रही हैं। सोनालिका की ये फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। फैंस को ये लुक बहुत पसंद आ रहा है। बता दें कि सोनालिका शुरुआत से ही तारक मेहता का उल्टा चश्मा से जुड़ी हैं।

जमाई राजा फेम अचिंत कौर को नहीं मिल रहा काम

क्योंकि सास भी कभी बहू थी, कहानी घर घर की और स्वाभिमान जैसे टीवी शोज में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस अचिंत कौर इन दिनों बेरोजगारी की जिंदगी जी रही हैं। हाल ही में उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया कि उनके पास कोई काम नहीं है। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए काम भी मांगा है। इससे पहले ऐसा ही कुछ नीना गुप्ता ने भी किया था। अचिंत कौर ने अपने इंस्टाग्राम पर सोमवार को एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने काम के लिए मौका देने की गुहार लगाई है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'नए काम की तलाश में'। इस वीडियो में एक तरफ जहां उन्होंने अपने अब तक के करियर के बारे में बताया तो दूसरी ओर काम भी मांगा। वीडियो में अचिंत कहते हुए नजर आईं, 'सभी को नमस्ते, मुझे उम्मीद है कि आप सभी अच्छे होंगे। यह दिल से लिखा गया एक छोटा सा संदेश है। मैं एक एक्टर और वॉयस ओवर आर्टिस्ट हूं, और मेरे पास कई सालों का अनुभव है। फिलहाल, मैं भारत और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अवसरों की तलाश कर रही हूं। चाहे वह शॉर्ट फिल्में हों, फीचर फिल्म हो, वेब सीरीज हो, या किसी भी प्रकार के वॉयस आर्टिस्ट का काम हो, मैं किसी भी तरह के क्रिएटिव प्रोजेक्ट में पूरी तरह से योगदान देने के लिए तैयार हूं।' अचिंत ने आगे कहा, 'अगर आप या आपके किसी जानने वाले को पता हो कि कौन कास्टिंग कर रहा है या सहयोग करने के लिए तैयार है, तो कृपया मुझे बताएं, क्योंकि मैं जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

'आश्रम' वेब सीरीज की पम्मी पह लवान है करोड़ो की मालकिन

आश्रम वेब सीरीज में अदिति पोहनकर ने पम्मी पहलवान का किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरी। अदिति पोहनकर ने हिंदी, मराठी और तमिल फिल्मों में शानदार काम किया है और अब उनकी गिनती टॉप वेब सीरीज एक्ट्रेसेस में होती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अदिति की कुल संपत्ति लगभग 67 करोड़ रुपये (9 मिलियन डॉलर) है। उन्होंने 'आश्रम' वेब सीरीज के बाद अपनी फीस बढ़ा दी और अब फिल्मों और विज्ञापनों से मोटी कमाई कर रही हैं। अदिति की आय के प्रमुख सोर्स में फिल्में, वेब सीरीज, ब्रांड एंडोर्समेंट (कैडबरी मंच, गोडरेज, एयरटेल, लेंसकार्ट, सैमसंग आदि) और सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम से हर महीने लगभग $8.5K - 11.7K कमाती हैं) शामिल हैं। अदिति ने अपने करियर की शुरुआत थिएटर से की और फिर 2010 में हिंदी फिल्म 'लव सेक्स और धोखा' से डेब्यू किया। इसके बाद वे मराठी फिल्म 'कुणासाठी कुणीतरी' (2011) और 'लय भारी' (2014) में नजर आईं। हालांकि, उनकी असली पहचान बनी नेटफ्लिक्स सीरीज 'She' (2020) और 'आश्रम' (2020-2025) से। अदिति का जन्म एक स्पोर्ट्स फैमिली में हुआ। उनके माता-पिता राष्ट्रीय स्तर के एथलीट थे। स्कूल के दिनों में अदिति ने 100m और 200m दौड़ में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया और कई मेडल जीते। उनकी यह मेहनत बाद में फिल्म इंडस्ट्री में भी काम आई। 'आश्रम' की सफलता के बाद अदिति बॉलीवुड में बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए बातचीत कर रही हैं। उनकी सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है और वे अपनी ग्लैमरस तस्वीरों के लिए भी चर्चा में रहती हैं।

मिशन इम्पॉसिबल के सामने रेड 2 ने लगाई जोरदार दहाड़

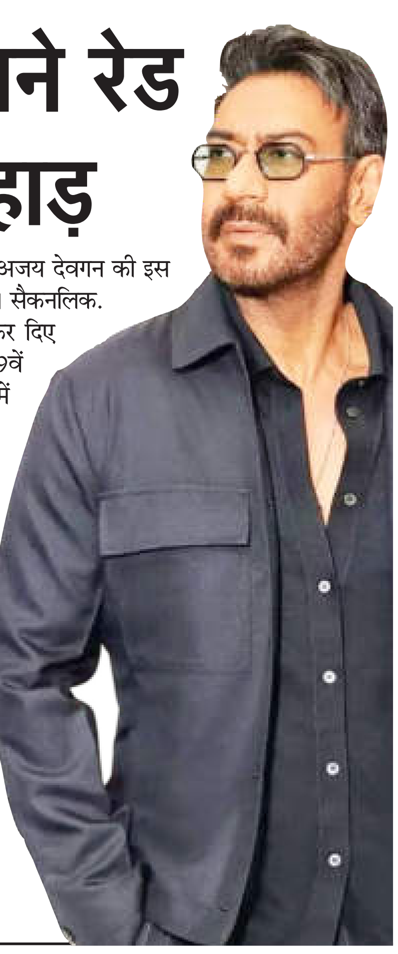

48 करोड़ के बजट में बनी रेड 2 की रफ्तार को रोकना अब मुश्किल हो गया है। सनी देओल की जाट और अक्षय कुमार की केसरी 2 को बॉक्स ऑफिस के सिंहासन से उतारने के बाद ये फिल्म अब गद्दी पर कब्जा कर चुकी है। भूल चूक माफ की रिलीज डेट टलने के बाद इस फिल्म के पास और दो बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ने के बाद अजय देवगन की फिल्म 'रेड-2' के पास खुला मैदान खेलने के लिए था। हालांकि, इस बीच ही हॉलीवुड फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' 17 मई को सिनेमाघरों में आ गई। टॉम क्रूज की इंडिया में एक अच्छी प्रशंसकों की लिस्ट है, जिसे देखते हुए लगा था कि इस फिल्म के आने से रेड 2 के कलेक्शन में गिरावट आएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। संडे को जबरदस्त बिजनेस करने वाली अजय देवगन की रेड 2 ने सोमवार को भी कमाई में अपना लोहा मनवाया और नया रिकॉर्ड कायम किया। राज कुमार गुप्ता के निर्देशन में बनी 'रेड-2' बजट तो पहले के चंद दिनों में ही निकाल चुकी है, अब जो फिल्म की कमाई हो रही है, वह उसका शुद्ध मुनाफा है। रविवार को तकरीबन 5.65 करोड़ तक का बिजनेस करने वाली रितेश देशमुख और अजय देवगन की इस फिल्म का खाता सोमवार को भी भर गया। सैकनलिक. कॉम ने फिल्म के अर्ली आंकड़े शेयर कर दिए हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक, रिलीज के 19वें दिन यानी कि मंडे को रेड 2 ने एक दिन में तकरीबन 2.35 करोड़ का बिजनेस किया है। ये फिल्म के अर्ली आंकड़े हैं, जिसमें सुबह तक बदलाव हो सकता है। जबकि इंडिया में मिशन इम्पॉसिबल पांच भाषाओं को मिलाकर तीसरे दिन में सिर्फ 6 करोड़ के आसपास बिजनेस कर पाई है। अजय देवगन की रेड 2 वर्ल्डवाइड तो पहले ही 200 करोड़ के क्लब में शामिल होने वाली फिल्मों में नाम दर्ज करवा चुकी है। छावा के बाद ये सबसे तेज गति से इंडिया में 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने वाली फिल्म थी। अब मूवी ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम लिख दिया है और महज 19 दिनों में इंडिया में नेट कलेक्शन 151.6 करोड़ तक का किया है।

21 की उम्र में 2 बेटियों की मां बनीं रवीना को मिलते थे ताने

बॉलीवुड की मशहूर अदाकाराओं में शामिल रवीना टंडन ने अपनी फिल्मों के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ से भी सुर्खियां बटोरी। रवीना टंडन का अफेयर अजय देवगन और अक्षय कुमार जैसे एक्टर्स संग सुर्खियों में रहा। लेकिन किसी के साथ भी उनका रिश्ता टिक नहीं पाया। इसके बाद उन्होंने फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी से शादी की। हालांकि शादी से पहले रवीना ने अनिल के सामने एक शर्त रख दी थी। आइए जानते हैं कि आखिर किस शर्त पर एक्ट्रेस अनिल थडानी की दुल्हन बनी थीं? रवीना टंडन का जन्म दिवंगत प्रोड्यूसर रवि टंडन के घर 26 अक्टूबर 1972 को मुंबई में हुआ था। पिता के प्रोड्यूसर होने के चलते रवीना ने भी फिल्म इंडस्ट्री में ही करियर बनाया। उन्होंने अपनी शुरुआत फिल्म 'पत्थर के फूल' के जरिए की थी। वहीं करियर के शुरुआती दिनों में ही रवीना बिना शादी के दो बेटियों की मां बन गईं थीं। रवीना ने महज 21 साल की उम्र में दो बेटियों छाया और पूजा को गोद लिया था। इसके बाद अनिल थडानी से शादी रचाई थी, लेकिन साथ ही एक शर्त भी रख दी। रवीना ने बताया था कि शदी से पहले कम उम्र में ही मां बनने पर लोग उन्हें ताने सुनाते थे। एक्ट्रेस की शर्त थी कि जो भी उनकी लाइफ में आएगा और उनसे शादी करेगा उसे उनके साथ ही उनकी दोनों बेटियों को भी अपनाना होगा। उन्होंने कहा था मैं पैकेज के साथ आऊंगी। मेरे साथ मेरी बेटियों, डॉगी, मेरी फैमिली को भी एक्सेप्ट करना होगा। ये शर्त रवीना ने अनिल के सामने भी रखी थी, जिसे अनिल ने स्वीकार किया था। इसके बाद साल 2004 में अनिल और रवीना ने धूमधाम से शादी रचा ली। अब दोनों की शादी को 2 दशक से ज्यादा समय हो चुका है। अनिल थडानी और रवीना टंडन शादी के बाद दो बच्चो के पैरेंट्स बने। कपल का एक बेटा और एक बेटी हैं। बेटे का नाम रणबीर थडानी जबकि बेटी का नाम राशा थडानी हैं। राशा भी मां की राह पर चलते हुए एक्ट्रेस बन चुकी हैं। उन्होंने इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया है।

'उस वक्त प्रेग्नेंट हो गई जब मुझे...

अमाला पॉल ने बताया कैसे प्रेग्नेंसी ने कैसे दी जिंदगी को दिशा

साउथ की स्टार एक्ट्रेस अमाला पॉल साल 2023 में जगत देसाई के साथ शादी के बंधन में बंध गई थीं और 2024 में उन्होंने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया। यह वो वक्त था जब अमाला काफी मुश्किल दौर से गुजर रही थीं और नहीं समझ पा रही थीं कि उन्हें अपनी जिंदगी के साथ क्या करना है। लेकिन उनकी प्रेग्नेंसी ने उन्हें अपनी जिंदगी में सही रास्ता चुनने और चीजें तय करने में काफी मदद की। अमाला ने JWF बिंज के साथ बातचीत में बताया, 'मैं उस वक्त प्रेग्नेंट हो गई जब मुझे समझ नहीं आ रहा था कि अपनी जिंदगी के साथ आगे क्या करना है। लेकिन उस तजुर्बे ने मुझे एक तरह की दिशा दी और एक बेहतर इंसान बनाया। जिंदगी में हर चीज उस नन्हीं सी जान के बारे में हो गई थी जो मेरे भीतर पल रही थी। मुझे समझ ही नहीं आया कि मेरे भीतर का वो 'अहम' कहां चला गया। लेकिन मुझे यह सब अच्छा लग रहा था।' अमाला ने बताया कि वो और उनके पति जगत देसाई को साथ रहते बस कुछ ही महीने हुए थे जब उन्हें पता चला कि वह प्रेग्नेंट हैं। शादी तो बाद में हुई। अमाला ने यह भी कहा कि उनके पति जगत उनकी जिंदगी में सबसे बड़ी नेमत बनकर आए। अमाला का स्ट्रगल 2020-2021 में शुरू हुआ था, जब उन्होंने अपने पिता को खो दिया और कोविड-19 के दौरान भावनात्मक रूप से टूट गईं। इस दौरान अमाला को मानसिक बीमारियों के लक्षण भी महसूस होने लगे। आखिरकार अमाला ने एक सोलो ट्रिप पर जाने का फैसला किया और वह बाली, थाइलैंड, श्रीलंका और लंदन अकेली घूमीं। इस दौरान उन्हें कुछ कमाल के अहसास हुए। उन्होंने एक बार फिर खुद अपने आप से कनेक्ट करने को समझा। एक्ट्रेस ने इस बारे में बताया, 'आप दूसरों पर निर्भर नहीं रह सकते हैं कि वो आपको बचाएंगे। आपको खुद ही अपना रास्ता तलाशना होगा।

अब इस शहर में खेला जाएगा आईपीएल 2025 का फाइनल बीसीसीआई ने घोषित किया प्लेऑफ का कार्यक्रम

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2025 के प्लेऑफ का संशोधित कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसके अनुसार, अब इस सीजन का खिताबी मुकाबला कोलकाता के ईडेन गार्डेंस की जगह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते आईपीएल का मौजूदा सीजन एक सप्ताह के लिए स्थगित हुआ था जो 17 मई से दोबारा शुरू हुआ था।

बीसीसीआई ने शेष मुकाबलों के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा कर दी थी, लेकिन फाइनल और प्लेऑफ के वेन्यू नहीं बताए थे। माना जा रहा था कि कोलकाता ने फाइनल की मेजबानी छीन सकती है और मंगलवार को आधिकारिक तौर पर इस पर मुहर भी लग गई।

बीसीसीआई ने शेष मुकाबलों के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा कर दी थी, लेकिन फाइनल और प्लेऑफ के वेन्यू नहीं बताए थे। माना जा रहा था कि कोलकाता ने फाइनल की मेजबानी छीन सकती है और मंगलवार को आधिकारिक तौर पर इस पर मुहर भी लग गई। बीसीसीआई के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, न्यू चंडीगढ़ का पीसीए स्टेडियम 29 मई को क्वालिफायर-1 और 30 मई को एलिमिनेटर मुकाबले की मेजबानी करेगा। वहीं, दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम एक जून को क्वालिफायर-2 और तीन जून को फाइनल मुकाबले की मेजबानी करेगा। पुराने कार्यक्रम के मुताबिक, हैदराबाद और कोलकाता को प्लेऑफ मुकाबले की मेजबानी करनी थी। आईपीएल ने अपने बयान में बताया कि आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने मौसम और अन्य कारणों के चलते प्लेऑफ और फाइनल के वेन्यू में बदलाव किया है।आईपीएल 2025 का सीजन अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और अब तक पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली है और मुंबई इंडियंस तथा दिल्ली कैपिटल्स के बीच चौथे स्थान की जंग बरकरार है। गत

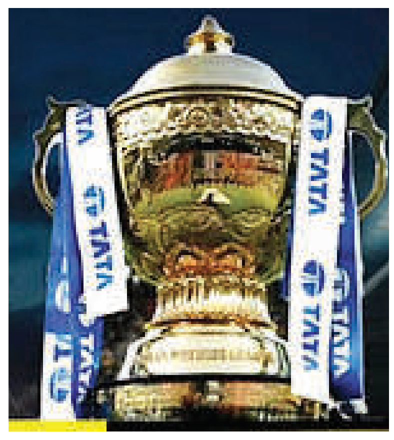

चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), लखनऊ सुपर जाएंट्स, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया है। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बंगलूरू में खेला जाने वाले मुकाबले के वेन्यू में भी बदलाव किया है। आरसीबी और हैदराबाद के बीच आईपीएल 2025 का 65वां मुकाबला बंगलूरू में खेला जाना था, लेकिन अब इसे लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल विहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में कराने का फैसला लिया गया है। आईपीएल ने बताया कि बंगलूरू में खराब मौसम को देखते हुए लखनऊ में इस मैच को स्थानांतरित करने का फैसला किया गया है। इससे पहले आरसीबी और केकेआर के बीच 17 मई को खेला जाने वाला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था और इसमें टॉस भी नहीं हो सका था। भारतीय मौसम विभाग ने गुरुवार तक के लिए बंगलूरू में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और भारी बारिश की संभावना जताई गई है। यही कारण है कि बोर्ड को अंतिम समय में इस मुकाबले के लिए वेन्यू में बदलाव करना पड़ रहा है। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने इसके अलावा प्लेऑफ के साथ ही 20 मई से ग्रुप चरण के शेष मुकाबलों के लिए अतिरिक्त एक घंटा जोड़ा है। इसका मतलब यह है कि अगर किसी कारण मैच में देरी होती है तो खेलने के लिए एक अतिरिक्त घंटा उपलब्ध रहेगा। आईपीएल 2025 में अब तक तीन मुकाबले बारिश के कारण रद्द करने पड़े हैं।

लखनऊ समेत 5 टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर अब मुंबई-दिल्ली के बीच आज वर्चुअल नॉकआउट

एजेंसी ● नई दिल्ली

आईपीएल 2025 अब दिलचस्प मोड़ तक पहुंच चुका है। प्लेआॅफ के लिए जंग दिलचस्प हो चली है। अब तक तीन टीमों ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है, जबकि पांच टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स भी सनराइजर्स हैदराबाद से हारकर इस दौड़ से बाहर हो गई। अब सिर्फ दो टीमों के बीच चौथे स्थान के लिए टक्कर है। ये दो टीमें हैं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स। अब मुंबई और दिल्ली के बीच 21 मई को होने वाला मुकाबला वर्चुअल नॉकआउट होगा। अगर इस मैच में दिल्ली की टीम हारी तो प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। उनके लिए जीत ही एकमात्र विकल्प होगा। इससे पहले रविवार को डबल हेडर ने तीन टीमों के लिए प्लेऑफ का रास्ता साफ कर दिया। गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। हालांकि, प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली टीमों का फिलहाल पायदान तय नहीं है और यह आगे के कुछ मुकाबलों के बाद तय हो जाएगा। वहीं, प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली टीमों में लखनऊ के अलावा राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स शामिल हैं।

17 मई को आरसीबी का कोलकाता के खिलाफ मुकाबला बारिश से धुल गया था। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले थे। इससे बेंगलुरु के 12 मैचों में 17 अंक हो गए थे। इसके बाद रविवार को गुजरात ने दिल्ली को और पंजाब ने राजस्थान को हराकर दो-दो अंक बटोरे।

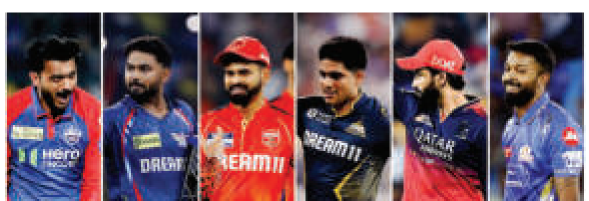

इससे गुजरात के 12 मैचों में 18 अंक और पंजाब के 12 मैचों में 17 अंक हो गए। इन तीनों टीमों के अभी दो-दो और मैच बाकी हैं। ऐसे में ये टीमें 20 अंक का आंकड़ा भी पार कर सकती हैं। अन्य टीमों में सिर्फ मुंबई ही है जो 17 अंक को पार सकती है। दिल्ली अधिकतम 17 अंक तक पहुंच सकती है। वहीं, लखनऊ अधिकतम 16 अंक तक पहुंच सकती है। ऐसे में आरसीबी और पंजाब ने क्वालिफाई कर लिया। बेंगलुरु ने पिछले छह सीजन में पांचवीं बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है। वहीं, गुजरात ने पिछले चार सीजन में तीसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। हालांकि, यह पंजाब के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि टीम ने 11 वर्षों में पहली बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। टीम ओवरऑल तीसरी बार प्लेऑफ में पहुंची है। श्रेयस आईपीएल में पहले कप्तान बन गए हैं, जिसने तीन टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाया है। पंजाब से पहले वह दिल्ली के कप्तान (2019, 2020) रहते हुए और 2024 में कोलकाता के कप्तान रहते हुए प्लेऑफ में पहुंच चुके हैं।

मुंबई की टीम के दो मैच बाकी हैं। उन्हें 21 मई को दिल्ली कैपिटल्स से मुंबई में और 26 मई को पंजाब किंग्स से जयपुर में भिड़ना है। इन दोनों मैचों में जीत मुंबई को प्लेऑफ में पहुंचा देगी। यहां तक कि मुंबई की दिल्ली पर जीत उन्हें प्लऑफ में पहुंचा देगी। अगर मुंबई की टीम दिल्ली को हरा देती है तो उनके 16 अंक हो जाएंगे। वहीं, दिल्ली के भी दो मुकाबले बचे हैं। हालांकि, मुंबई से हारने के बाद उनका सफर समाप्त हो जाएगा। आखिरी मुकाबला जीतने पर भी उनके 15 ही अंक हो पाएंगे और टीम मुंबई की बराबरी नहीं कर पाएगी।

दिल्ली पर जीत के बाद अगर मुंबई की टीम अपने आखिरी मैच में पंजाब से हार भी जाती है तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। दिल्ली के खिलाफ हार मुंबई के समीकरण को बिगाड़ सकती है। फिर उन्हें पंजाब के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी, साथ ही यह मनाना होगा कि दिल्ली अपने आखिरी मैच में पंजाब से नहीं जीते। इस स्थिति में मुंबई के 16 और दिल्ली के 15 ही अंक रह जाएंगे और मुंबई की टीम क्वालिफाई कर जाएगी।दिल्ली ने इस सीजन अपने अभियान की शुरूआत काफी शानदार अंदाज में किया था। टीम ने लगातार चार मैच जीते थे। सीजन के ज्यादातर हिस्से में यह टीम शीर्ष पांच में बनी रही। हालांकि, पिछले आठ मैचों में से पांच मैचों में हार ने इन्हें शीर्ष चार से बाहर कर दिया और टीम एलिमिनेट होने की दहलीज पर खड़ी है। टीम के पास अब मिचेल स्टार्क भी नहीं हैं। दिल्ली को प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने के लिए हर हाल में अपने दोनों मैच जीतने होंगे। एक हार उनके सफर को समाप्त कर सकती है। मुंबई के खिलाफ एक तरह से यह टीम नॉकआउट मुकाबला खेलेगी। हार उन्हें बाहर कर देगी, जबकि जीत उनकी उम्मीदों को जीवंत बनाए रखेगी।

तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगे पाकिस्तान-बांग्लादेश; इसी महीने होगा आयोजन

एजेंसी ● कराची

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज को लेकर सहमति बन गई है। दोनों टीमों के बीच पहले पांच मैचों की टी20 सीरीज होनी थी, लेकिन अब इसे तीन मैचों की सीरीज कराने पर सहमति बनी है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बांग्लादेश के अपने समकक्ष से दुबई में मुलाकात की जिसके बाद पीसीबी ने मंगलवार को संशोधित कार्यक्रम जारी किया पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच इस महीने सीरीज होगी और लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम इस महीने तीनों मैचों की मेजबानी करेगा। इन मैचों की तारीख हालांकि अभी तय नहीं की गई हैं। पिछले महीने दोनों देशों ने 25 मई से तीन जून तक पांच टी20 मैच खेलने पर सहमति जताई थी, जिसमें से पहले दो मैच फैसलाबाद में खेले जाने थे। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के बाद पीसीबी को अपने प्रमुख घरेलू टी20 टूनार्मेंट (पाकिस्तान सुपर लीग) के कार्यक्रम को संशोधित करना पड़ा।

इसका फाइनल अब 25 मई को खेला जाएगा। पीएसएल की तारीखों के आगे बढ़ने के बाद इस टी20 सीरीज के आयोजन पर संदेह था।बांग्लादेश अभी यूएई के दौरे पर है। टीम को बुधवार को तीसरा और निर्णायक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) पाकिस्तान दौरे को लेकर असमंजस की स्थिति में नजर आ रहा था, लेकिन अब इस सीरीज को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है।

27 करोड़ के ऋषभ पंत इस सीजन सिर्फ एक बार पार कर सके 27 रन का आंकड़ा, 11 पारियों में बनाए महज 135 रन

एजेंसी ● नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में एसआरच ने लखनऊ को छह विकेट से हरा दिया। एक बार फिर एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत फ्लॉप रहे। इस सीजन लखनऊ की टीम के खराब प्रदर्शन की एक वजह पंत की खराब बल्लेबाजी भी रही है। पंत को लखनऊ ने मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था, लेकिन वह अब तक सिर्फ एक बार 27 रन का आंकड़ा पार कर पाए हैं। बाकी मैचों में वह 25 रन से ऊपर नहीं बना पाए हैं। लखनऊ की टीम सोमवार को प्लेऑफ की दौड़ से भी बाहर हो गई है।पंत ने इस सीजन में अब तक 11 पारियों में 12.27 की औसत और 100 के स्ट्राइक रेट से 135 रन बनाए हैं। इसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। बाकी की 10 पारियों में उनका उच्चतम स्कोर 21 रन रहा है। पंत इस सीजन अपने शॉट्स में 59.3 प्रतिशत कंट्रोल में दिखे हैं। उन्होंने इस सीजन- 0, 15, 2, 2, 21, 63, 3, 0, 4, 18 और 7 रन की पारियां खेली हैं। उनके पहले आईपीएल सीजन यानी 2016 को छोड़ दिया जाए तो पंत ने कभी किसी सीजन में 300 से कम रन नहीं बनाए हैं। यह सिर्फ उनका दूसरा सीजन है जब उन्होंने 200 से कम रन बनाए हैं। 2016 में पंत ने 10 मैचों में 198 रन बनाए थे। इनमें एक अर्धशतक शामिल है। पंत ने अब तक अपने आईपीएल करियर में 123 मैचों में 32.88 की औसत और 146.11 के स्ट्राइक रेट से 3419 रन बनाए थे। इसमें एक शतक और 19 अर्धशतक शामिल है। पंत इस सीजन के लिए मेगा नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर सामने आए थे। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं, लेकिन खुद उनका प्रदर्शन खराब रहा है। इसी वजह से उनकी टीम को भी भुगतना पड़ा है।

अब्दुल समद के आउट होते ही आपा खो बैठे निकोलस पूरन, ड्रेसिंग रूम में बल्ला फेंकते हुए आए नजर

लखनऊ। सनराइजर्स हैदराबाद ने सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ लखनऊ की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। इस मैच में वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज निकोलस

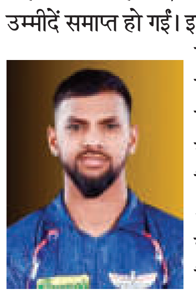

पूरन ने अपना आपा खो दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।यह घटना अब्दुल समद के आउट होने के बाद की है। जैसे ही नीतीश कुमार रेड्डी ने समद को बोल्ड किया, पूरन अपना आपा खो बैठे और उन्होंने अपना पैड फेंक दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि वह काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। बता दें कि, पूरन इस मैच में 26 गेंदों में 45 रन बनाकर रनआउट हुए थे। उन्हें ईशान किशन ने रनआउट किया था। सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया और उन्हें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। इस तरह ऋषभ पंत के नेतृत्व वाली टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पांचवीं टीम बन गई। सोमवार को खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 205 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद ने 18.2 ओवर में चार विकेट गंवाकर 206 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। उनके लिए अभिषेक शर्मा ने सर्वाधिक 59 रन बनाए। वहीं, लखनऊ के लिए दिग्वेश राठी ने दो विकेट लिए जबकि विलियम ओरुर्के और शार्दुल ठाकुर को एक-एक सफलता मिली।

दिग्वेश राठी के साथ मैदान पर नोकझोंक पर आया अभिषेक का बयान, पावरप्ले को लेकर कही यह बात

एजेंसी ● नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया और उन्हें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। इस तरह ऋषभ पंत के नेतृत्व वाली टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पांचवीं टीम बन गई। मैच के दौरान सनराइजर्स के अभिषेक की लखनऊ के गेंदबाज दिग्वेश राठी से बहस हो गई थी। मैच के बाद उन्होंने इस पर बयान दिया है। अभिषेक ने कहा कि मैं और राठी ने मैच के बाद बातचीत की। अब सबकुछ ठीक है।

अभिषेक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने लखनऊ के खिलाफ 20 गेंद में 59 रन की पारी खेलकर सनराइजर्स हैदराबाद को आसान जीत दिलाने में अहम योगदान दिया।अभिषेक शर्मा ने कहा कि वह लक्ष्य का पीछा करते समय पावरप्ले का अच्छा इस्तेमाल करना चाहते थे। इस पारी से सनराइजर्स ने

जीत के लिए मिले 206 रन के लक्ष्य को 10 गेंद शेष रहते चार विकेट गंवा कर जीत लिया।

अभिषेक ने पुरस्कार समारोह में कहा, 'अगर हम पहले बल्लेबाजी करते तो मेरी योजना कुछ और होती। जब आप 200 से ज्यादा रन का पीछा कर रहे होते हैं तो मुझे ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।'उन्होंने कहा, 'अथर्व और मेरे बीच बातचीत हुई कि हम शुरूआती ओवर में संभल कर खेलने के बाद आक्रामक रुख अपनाएंगे। आप अगर किसी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से पूछेंगे, तो वे कहेंगे कि लक्ष्य का पीछा करते समय आपको पावरप्ले को अपने पक्ष में करना चाहिए।' अपनी पारी में छह छक्के और चार चौके लगाने वाले इस वामहस्त बल्लेबाज ने कहा, 'मैं समझता हूं कि अगर मै अच्छा प्रदर्शन करूंगा तो टीम भी अच्छा प्रदर्शन करेगी। एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर आपको जिम्मेदारी लेनी होती है।'सोमवार को खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 205 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद ने 18.2 ओवर में चार विकेट गंवाकर 206 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। उनके लिए अभिषेक शर्मा ने सर्वाधिक 59 रन बनाए। वहीं, लखनऊ के लिए दिग्वेश राठी ने दो विकेट लिए जबकि विलियम ओरुर्के और शार्दुल ठाकुर को एक-एक सफलता मिली।

कप्तान ऋषभ पंत के समर्थन में उतरे मिचेल मार्श, दमदार वापसी की उम्मीद जताई

एजेंसी ● लखनऊ

लखनऊ सुपर जाएंट्स के बल्लेबाज मिचेल मार्श कप्तान ऋषभ पंत के समर्थन में उतरे हैं। पंत को लखनऊ ने आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन इस सीजन उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह प्रभावित नहीं कर सके। पंत की अगुआई में लखनऊ की टीम इस सीजन प्लेआॅफ में भी जगह नहीं बना सकी और उसका सफर ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया।

पंत की कप्तानी और उनके प्रदर्शन की आलोचना की जा रही है, लेकिन मार्श ने उनका समर्थन किया है। मार्श का कहना है कि पंत खुद ऐसे खिलाड़ी हैं जो यह स्वीकार करने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि आईपीएल के मौजूदा सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। लखनऊ को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सोमवार को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा और इसके साथ टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो

गई, जबकि उसके दो और मैच बचे हैं।

लखनऊ के लिए कप्तान पंत का प्रदर्शन मौजूदा सीजन अच्छा नहीं रहा और उन्होंने 12 मैच में 135 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 100 से कम है। यह 2016 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू करने के बाद से उनका सबसे खराब आईपीएल सत्र रहा है। मार्श ने उम्मीद जताई कि पंत लखनऊ के आखिरी दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, हालांकि ये महज औपचारिकता के मुकाबले होंगे।मार्श ने कहा, पंत यह कहने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि उनका सत्र वैसा नहीं रहा जैसा उन्हें पसंद होता लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं कि कभी-कभी क्रिकेट इसी तरह चलता है। हम जानते हैं कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, बेहद कुशल और बेहद प्रतिभाशाली है इसलिए वह वापसी करेगा। मुझे लगता है कि शायद इस सत्र के बाद आत्मचिंतन का समय आएगा। मेरा ध्यान बस अपनी टीम और अपनी फ्रेंचाइजी के लिए अगले दो मैच जीतने में योगदान देने की कोशिश करने पर है। जैसा कि मैंने कहा कि आईपीएल एक बहुत बड़ा टूनार्मेंट है और इसमें जीत का अंतर बहुत कम होता है। उन्होंने कहा, हमने पूरे सत्र में कुछ करीबी मैच गंवाए जो अब हमें नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन हां, अब यह सब इस बारे में है कि हम जितना संभव हो सके इस सत्र को मजबूती से खत्म करें।

राजस्थान के खिलाफ मैच में बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं महेन्द्रसिंह धोनी

एजेंसी ● जयपुर

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कमान संभाल रहे दिग्गज बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी राजस्थान के खिलाफ मैच के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। अंक तालिका में निचले स्थान पर चल रही सीएसके और राजस्थान के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर आईपीएल 2025 का मुकाबला खेला जाएगा। इन दोनों टीमों के लिए अब खोने को कुछ नहीं है, लेकिन धोनी इस मैच में एक छक्का लगाते हुए बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं।

42 वर्षीय धोनी टी20 क्रिकेट में 350 छक्के पूरे करने से एक छक्का दूर हैं। अगर वह राजस्थान के खिलाफ मैच में एक छक्का लगाते हैं तो ओवरऑल 34वें और चौथे भारतीय बल्लेबाज होंगे जिसने टी20 में 350 छक्के लगाए हैं। धोनी इसके साथ ही रोहित शर्मा, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव के

क्लब में शामिल हो जाएंगे। यह तीन भारतीय बल्लेबाज टी20 में 350 छक्के लगा चुके हैं। धोनी के नाम फिलहाल 403 मैचों में 349 छक्के हैं। उन्होंने टी20 में 135.75 के स्ट्राइक रेट और 37.68 के औसत से 7612 रन बनाए हैं।

वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड दर्ज है। गेल ने अपने टी20 करियर में 463 मैचों में 1056 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2025 में धोनी के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 12 मैचों में 25.71 के औसत और 140.62 के स्ट्राइक रेट से 180 रन बनाए हैं। प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकीं और अंतिम दो स्थान पर चल रही सीएसके और राजस्थान की टीम मंगलवार को जब आईपीएल मुकाबले में आपस में भिड़ेंगी तो उनकी नजरें इस मुकाबले को जीतकर अपनी प्रतिष्ठा बचाने पर टिकी होंगी। मंगलवार का मैच रॉयल्स के लिए 2025 सत्र का आखिरी मैच है। सीएसके को अगली नीलामी के दौरान अपना बल्लेबाजी संयोजन बेहतर करना होगा। चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और परखे हुए खिलाड़ियों को शामिल करने का उसका पुराना फॉमूर्ला मौजूदा सत्र में पूरी तरह से विफल रहा जिससे टीम का प्रदर्शन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

लंदन में चेल्सी के पीटर विल्सन ने चेल्सी फ्लावर शो में रिकी पॉल फ्लावर्स द्वारा बनाए गए पम्पास घास, ट्रॉपिकल फ्लावर्स और संरक्षित पत्तियों से बने मोहॉक हेयरस्टाइल वाले पंक के फूलों के साथ पोज़ दिया।

शॉट न्यूज

रास्ता भटकने से हुआ था मेक्सिकन नेवी शिप हादसा

वॉशिंगटन डीसी। मेक्सिकन नेवी का शिप कुआउतेमोक दो दिन पहले अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया था, इस हादसे में 22 लोग घायल हुए थे और 2 की मौत हो गई थी। जिनमें 11 की हालत गंभीर बनी हुई है। न्यूयॉर्क सिटी के इमरजेंसी मैनेजमेंट ऑफिस के प्रवक्ता ने बताया कि इस जहाज को साउथ की ओर न्यूयॉर्क हार्बर से बाहर जाना था, और रास्ते में ब्रुकलिन वॉटर फ्रंट पर फ्यूल भरवाने के लिए रुकना था। इसके बाद शिप को आइसलैंड जाना था, लेकिन रात करीब 8:30 बजे, जहाज गलत दिशा में चला गया और ब्रुकलिन ब्रिज के नीचे पहुंच गया, जहां इसे नहीं जाना था। शिप मैनहट्टन में पियर 17 से रवाना हुआ था, जो ब्रुकलिन ब्रिज के पास है। कुआउतेमोक पर 277 क्रू मेंबर थे। ब्रिज के डेक की ऊंचाई 127 फीट है, जबकि जहाज के टावर (मस्तूल) की ऊंचाई 158 फीट है। जहाज और ब्रिज के डेक की ऊंचाई में करीब 31 फीट का अंतर था, यही हादसे की वजह बना था।

पुर्तगाल में भारतीय दूतावास के बाहर पाकिस्तानियों का हंगामा

लिस्बन। पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में रविवार को पाकिस्तानियों ने भारतीय दूतावास के सामने हंगामा किया। इसका जवाब देते हुए भारतीय अधिकारियों ने दूतावास के बाहर ऑपरेशन सिंदूर का बैनर लगा दिया। इस पर लिखा था- ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। दूतावास ने X पर पोस्ट करते हुए बैनर की तस्वीरें शेयर की हैं। साथ ही लिखा है कि पाकिस्तानियों के कायरतापूर्ण विरोध प्रदर्शन का जवाब ऑपरेशन सिंदूर के बैनर के साथ दिया गया। हम दूतावास की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुर्तगाल सरकार और उसके पुलिस अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं। इन तस्वीरों में भारतीय अधिकारी भी बैनर के साथ नजर आए। भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया।

200 रूसी कंपनियां निशाने पर

पुतिन के यूक्रेन शांति वार्ता में शामिल नहीं होने पर एक्शन

एजेंसी ● ब्रुसेल्स

एक्शन

यूरोपीय यूनियन (ईयू) आज रूस पर नए प्रतिबंधों को ऐलान करेगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 16 मई को तुर्किये के इस्तांबुल में हुई यूक्रेन शांति वार्ता में शामिल नहीं हुए थे। इस वजह से यह प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने 16 मई को इसे लेकर X पर पोस्ट किया था। मर्त्ज ने कहा था- यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का इस्तांबुल जाना एक बड़ा सद्भावना संदेश था। पुतिन नहीं आए और उन्होंने खुद को गलत साबित किया। हम रूस पर आज ब्रसेल्स में नए प्रतिबंधों का ऐलान करेंगे। इससे पहले 14 मई को ईयू डिप्लोमैट्स ने रूस के खिलाफ 17वें प्रतिबंध पैकेज पर सहमति जताई थी। इसमें रूस के शैडो फ्लीट (तेल टैंकरों के बेड़े) को निशाना बनाने की बात की गई थी। एक सीनियर ईयू अधिकारी ने मीडिया को बताया था कि रूस के लगभग 200 जहाज, 30 कंपनियां और रूसी मिलिट्री इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स से जुड़े 75 व्यक्तियों और संगठनों पर भी प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

मर्त्ज ने कहा- हम कानून के दायरे में रहते हुए रूसी संपत्तियों को जब्त करने पर भी विचार कर रहे हैं। अगर ऐसा किया जा सकता है, तो हम करेंगे। हालांकि हमें यूरोपीय मार्केट पर इससे होने वाले असर को भी ध्यान रखना होगा। ईयू और जी7 देशों के पास रूस की करीब 300 अरब डॉलर की प्रॉपर्टी फ्रीज है। इसमें से रूसी सेंट्रल बैंक के 198 अरब डॉलर रिजर्व बेल्जियम में जमा हैं। यूरोपीय नेता रूसी प्रॉपर्टी को जब्त करने से हिचक रहे हैं, क्योंकि इससे यूरो और EU की बैंकिंग प्रणाली पर दूसरे देशों का भरोसा कम हो सकता है।

ट्रम्प ने जेलेंस्की के बाद पुतिन से बात की, सही समझौते हो जाएं तो रूस-यूक्रेन में सीजफायर मुमकिन: ट्रम्प

मॉस्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कल देर रात यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और फिर उसके बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की। रूस और यूक्रेन जंग पर ट्रम्प और पुतिन के बीच करीब 2 घंटे चर्चा हुई। पुतिन ने इस बातचीत को बहुत अच्छा बताया। उन्होंने कहा कि अगर सही समझौते हो जाएं तो रूस-यूक्रेन में कुछ समय के लिए युद्धविराम मुमकिन है। रूसी न्यूज एजेंसी तास के मुताबिक पुतिन ने कहा कि वे यूक्रेन के साथ शांति समझौते का मसौदा (ड्राफ्ट) बनाने के लिए तैयार हैं। संघर्ष की असल वजह को खत्म करना होगा। वहीं जेलेंस्की और ट्रम्प के बीच कुछ मिनट की ही बातचीत हुई, अभी तक इसकी डिटेल जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रम्प से बात करने के बाद पुतिन ने मीडिया से बात की। पुतिन ने कहा कि 'रूस समझौते करने के लिए तैयार है।' हालांकि अभी तय यह साफ नहीं है कि ये किस तरह के समझौते होंगे।

ट्रम्प बोले- रूस यूक्रेन के बीच तुरंत बातचीत शुरू होगी : पुतिन से बात करने के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि मैंने पुतिन के साथ दो घंटे बातचीत की है। रूस और यूक्रेन तुरंत युद्धविराम और इससे भी महत्वपूर्ण युद्ध को पूरी तरह खत्म करने के लिए बातचीत शुरू करेंगे। ट्रम्प ने कहा- रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत तुरंत शुरू होगी। मैंने इसकी जानकारी यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और यूरोप के कई नेताओं को फोन करके दी है। पोप ने कहा है कि वे समझौता वार्ता की मेजबानी करने के इच्छुक हैं।

पाकिस्तान में चीन बना रहा दुनिया का पांचवां ऊंचा डैम

एजेंसी ● इस्लामाबाद

चीन ने पाकिस्तान में मोहमंद डैम के निर्माण को तेज करने की घोषणा की है, जो एक महत्वपूर्ण हाइड्रोपावर और वाटर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट है। चीन ने यह कदम भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर बढ़ते तनाव के बीच उठाया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, डैम में कंक्रीट भरने का काम शुरू हो गया है। चीन ने इसे पाकिस्तान के लिए नेशनल प्रोजेक्ट बताया है। इस डैम का निर्माण चीन की सरकारी कंपनी चाइना एनर्जी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन कर रही है। इस कंपनी ने 2019 में काम शुरू किया था। यह खबर पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार के बीजिंग दौरे से पहले आई है, जहां वे चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात करेंगे।

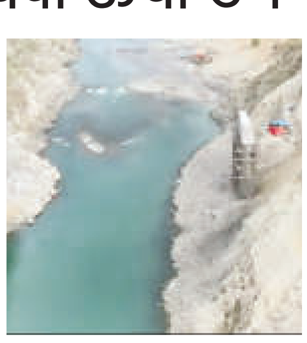

मोहमंद डैम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में स्वात नदी पर बन रहा है। यह एक बहुउद्देशीय कंक्रीट-फेस्ड रॉकफिल डैम है, जो बाढ़ कंट्रोल, सिंचाई, पीने का पानी और बिजली उत्पादन के लिए बनाया जा रहा है। 700 फीट ऊंचा यह डैम दुनिया का पांचवां सबसे ऊंचा डैम होगा। यह डैम पूरा होने पर 800 मेगावाट जल विद्युत (हाइड्रोपावर) पैदा करेगा और पेशावर को हर दिन 30 करोड़ गैलन पानी सप्लाई करेगा। इसके अलावा, यह हजारों एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई करेगा और निचले इलाकों को मौसमी बाढ़ से बचाएगा।

205 लोग मौजूद थे, 15 महीने बाद हुआ खुलासा

बिना पायलट 10 मिनट तक उड़ती रही लुफ्थांसा की फ्लाइट

एजेंसी ● स्पेन

खुलासा

स्पेन जा रही एक फ्लाइट 205 लोगों के साथ करीब 10 मिनट तक बिना पायलट के उड़ान भरता रहा। दरअसल, विमान का पायलट टॉयलेट गया था, तभी अचानक को-पायलट की तबीयत खराब हो गई, और वह बेहोश हो गया था। इसका खुलासा 15 महीने बाद स्पेन की दुर्घटना जांच एजेंसी सीआईएआईएसी की एक नई रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल 17 फरवरी, 2024 को लुफ्थांसा के एयरबस ए321 में यह घटना हुई। फ्लाइट फ्रैंकफर्ट से सेविले, स्पेन जा रही थी। उस समय विमान में 199 यात्री और 6 क्रू मेंबर मौजूद थे।

पायलट बाथरूम से लौटा और कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन अंदर से लॉक होने के कारण वह दरवाजा नही खोल पाए। क्रू मेंबर ने को-पायलट से बात करने की कोशिश में इंटरकॉम पर कॉल भी किया। जवाब न मिलने पर कप्तान ने इमरजेंसी कोड का इस्तेमाल कर कॉकपिट के अंदर गए, और विमान को कंट्रोल किया। को-पायलट को क्रू और एक यात्री डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार दिया। जिससे को-पायलट को होश आया। जांच में पता चला कि को-पायलट को पहले से एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी थी, जिसके बारे में उसे पता नहीं था और यह उसके मेडिकल टेस्ट में भी नहीं पकड़ी गई थी। इसके बाद को-पायलट का मेडिकल सर्टिफिकेट रद्द कर दिया गया। लुफ्थांसा ने जर्मन समाचार एजेंसी को बताया कि वे इस घटना के बारे में जानते है, और उनकी उड़ान सुरक्षा टीम ने इसकी जांच भी की थी, लेकिन इसके परिणाम सार्वजनिक नहीं किए गए थे।

रिपोर्ट- पायलट के बेहोश होने या मृत्यु की घटनाएं रेयर

रिपोर्ट में कहा गया कि उड़ान के दौरान पायलट के बेहोश होने या मृत्यु की घटनाएं रेयर होती हैं। यूरोपीय आयोग के 2019-2024 के डेटाबेस में 287 ऐसी घटनाएं दर्ज की गईं। अमेरिका की 2004 की एक रिपोर्ट में 1993 से 1998 के बीच 39 ऐसी घटनाएं अमेरिकी पायलटों के साथ हुईं। इसकी शुरुआत 1953 में हुई थी। लुफ्थांसा दुनिया भर के 80 से ज्यादा देशों में 200 से अधिक डेस्टिनेशन तक सेवाएं देती है। लुफ्थांसा के पास एयरबस और बोइंग जैसे माडर्न विमान है, जिसमें एयरबस A320, A350, बोइंग 747 शामिल हैं। यह यात्री और कार्गो (माल) दोनों तरह की सेवाएं प्रदान करती है। भारत में, लुफ्थांसा दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे शहरों से उड़ानें संचालित करती है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)